हिंदी दैनिक

कलम की पहल

PRGI NO. UAHIN/25/A1323

वर्ष : 02 अंक : 144 पृष्ठ : 08 मूल्य : 1 रूपए नैनीताल, गुरूवार, 12 नवंबर, 2026

E-mail: kalamkipahaluk@gmail.com Website: kalamkipahal.com

उत्तराखंड में शहरी स्वच्छता, स्वच्छता प्रबंधन में काशीपुर एवं रुद्रपुर को मिला प्रथम स्थान

आवास और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से मिली स्वच्छता रैंकिंग

- कार्यक्रम में स्वच्छता पहलों को मजबूत करने, स्वच्छता बुनियादी ढांचे में सुधार लाने, प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन सुनिश्चित करना रहा
- कार्यक्रम स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए सार्वजनिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने पर रहा
- स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत स्वच्छता पहलों को मजबूत करने और जनभागीदारी बढ़ाने पर रहा मुख्य जोर



के.के.पी संवाददाता

काशीपुर । बुधवार को स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में आवास और शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से उत्तराखंड में शहरी स्वच्छता, स्वच्छता प्रबंधन और शहरी स्थानीय निकायों में काशीपुर एवं रुद्रपुर को प्रथम स्थान के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस दौरान उत्तराखंड में शहरी स्वच्छता, स्वच्छता प्रबंधन और शहरी स्थानीय निकायों में सुधार से संबंधित चर्चाओं और पहलों पर प्रकाश डाला गया।

इस कार्यक्रम में काशीपुर के महापौर दीपक बाली, रुद्रपुर के महापौर विकास शर्मा, शहरी विकास विभाग के निदेशक विनोद गोस्वामी, काशीपुर के नगर स्वास्थ्य अधिकारी रवीन्द्र बिष्ट, रुद्रपुर की नगर आयुक्त शिप्रा जोशी और स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के राज्य मिशन प्रबंधक मनोज पांडे मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मुख्यतः केंद्र स्वच्छता पहलों को मजबूत करने, स्वच्छता बुनियादी ढांचे में सुधार लाने, प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन सुनिश्चित करने और स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए सार्वजनिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने पर रहा।

इस पहल ने समन्वित प्रयासों और सक्रिय सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से स्वच्छ, स्वस्थ और अधिक टिकाऊ शहरों के निर्माण की दिशा में शहरी स्थानीय निकायों की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

नोएडा मेट्रो विस्तार से भारत संग्राहलय तक..., मोदी कैबिनेट ने लिए 5 बड़े फैसले



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार (11 नवंबर, 2026) को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक संपन्न हुई. इस अहम बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 बड़े फैसले किए. इसमें पहला बड़ा फैसला नॉर्थ और साउथ ब्लॉक की इमारतों का अनुकूल उपयोग करते हुए 'युगे युगीन भारत संग्रहालय' के विकास के लिए 3,230 करोड़ रुपये की मंजूरी दी. इसके जरिए भारत की सांस्कृतिक धरोहर को सुंदर तरीक से प्रदर्शित किया जाएगा. दूसरे फैसले में मंत्रिमंडल ने नोएडा के सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-4 तक 2,390 करोड़ रुपये की लागत से करीब 8.5 किलोमीटर लंबे मेट्रो रेल परियोजना के विस्तार को मंजूरी दी है. केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि तीसरा फैसला किसानों के कल्याण को लेकर लिया गया है, जिसमें रबी सीजन में फर्टिलाइजर की सब्सिडी के लिए 62,370 करोड़ रुपये मंजूर किए गए. चौथे फैसले में मंत्रिमंडल ने मुद्रा योजना के तहत सूक्ष्म इकाइयों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड को पांच साल तक जारी रखने की मंजूरी दी, जिसके लिए सरकार ने 5,000 करोड़ रुपये की फंडिंग को मंजूरी दी है और पांचवे फैसले में स्टैंड-अप इंडिया योजना के माध्यम से जो एससी-एसटी और महिला उद्यमी बनना चाहते हैं, उनके लिए 4,111 करोड़ रुपये का क्रेडिट गारंटी फंड को अगले पांच साल और जारी रखने के प्रस्ताव को भी मंजूर किया गया है. अश्विनी वैष्णव ने बुधवार (11 नवंबर, 2026) को कैबिनेट बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी साझा करते हुए कहा, 'युगे युगिन भारत म्यूजियम, नॉर्थ और साउथ ब्लॉक में जो जगह खाली हो चुके हैं और कर्तव्य भवन या सेवा तीर्थ में शिफ्ट हो चुके हैं, वहां पर भारत की परंपरा और संस्कृति को लेकर पूरे देश की जो सभ्यतागत यात्रा है, उसे सुंदर तरीके से प्रदर्शित किया जाएगा.' उन्होंने कहा, 'अगर हम दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालयों की तुलना करें, तो उसमें सबसे बड़ा लूवर म्यूजियम है, जो 73,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैला है. दूसरा ब्रिटिश म्यूजियम 70 हजार वर्ग मीटर के क्षेत्र में है और हर्मिटाज 66,800 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैला है, लेकिन भारत में जो युगे युगिन संग्रहालय बनने वाला है, वो 1 लाख वर्ग मीटर के क्षेत्र में बनाया जाएगा.'

कानपुर स्टेशन से निकलते ही पटरी से उतरी चौरीचौरा एक्सप्रेस, यात्रियों में हड़कंप



कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक रेल हादसे से यात्रियों में हड़कंप मच गया. यहां कानपुर सेंट्रल स्टेशन से निकलते ही चौरीचौरा एक्सप्रेस पटरी से उतर गई. अनवरगंज से गोरखपुर जाने वाली ट्रेन नंबर 15003 के पटरी से उतरते ही यात्रियों में हड़कंप मच गया. फिलहाल, रेलवे अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और डिब्बे को पटरी पर चढ़ाने के कि कोशिशें की जा रही हैं.

बताया जा रहा है कि ट्रेन प्लेटफॉर्म 7 से निकली थी. कुछ ही दूरी पर ट्रेन के चार डिब्बे पटरी से उतर गए. गनीमत की बात यह है कि अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. इससे पहले असम के गुवाहाटी के पास बुधवार (11 नवंबर) को कोलकाता-सायरंग एक्सप्रेस पटरी से उतर गई थी. इस ट्रेन में 300 से ज्यादा यात्री सवार थे. असम के सीएम ने खुद जानकारी दी थी कि डिगारू में ट्रेन के पांच डिब्बे और इंजर बेपटरी हो गए थे. हादसे में चार लोगों को मामूली चोटें आई हैं.

वहीं, पूर्व रेलवे के एक अधिकारी ने जानकारी दी कि ट्रेन में कोलकाता, नैहाटी, कृष्णानगर और मालदा तथा कटिहार मंडलों के विभिन्न स्टेशनों से यात्री सवार हुए थे. ये सभी गुवाहाटी से आगे की यात्रा कर रहे थे.

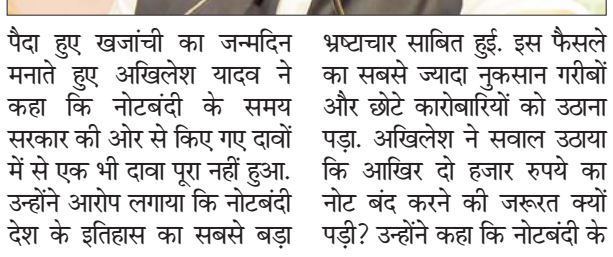
हम दिवाली मनाते हैं तो उन्हें प्रदूषण दिखता है, सीएम योगी बोले- अच्छा लगा लोगों ने धूम से मनाया त्योहार



नई दिल्ली। सीएम योगी आदित्यनाथ ने दिवाली पर आतिशबाजी की वजह से होने वाले प्रदूषण को लेकर उठ रहे सवालों पर अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अपने भ्रष्ट कारनामों से पूरे सिस्टम को प्रदूषित किया, उनको कोई बोलता नहीं। अगर पब्लिक एक दिन आतिशबाजी कर ले तो प्रदूषण हो गया। प्रदूषण हुआ है तो समाप्त भी हो जाएगा। यह कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि दीपावली लोगों ने धूम-धड़ाके से मनाई यह देखकर अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि जब लोग पर्व और त्योहार मनाते हैं तभी कुछ लोगों को प्रदूषण दिखने लगता है।

यूपीएसएसएससी (UPSSSC) द्वारा राजस्व विभाग के लिए चयनित 1,146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति-पत्र और मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत लाभार्थियों को 215 करोड़ रुपए की सहायता राशि के वितरण के लिए लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही। सीएम योगी ने कहा कि आप लोगों ने दीपावली मनाई और बहुत सारे लोग कह रहे हैं कि इससे प्रदूषण हो गया। हमने कहा कि प्रदूषण हो गया तो समाप्त भी हो जाएगा। काहें चिंता कर रहे हो। जिन लोगों ने अपने भ्रष्ट कारनामों से पूरे सिस्टम को प्रदूषित किया उनको कोई नहीं बोलता है और पब्लिक एक दिन आतिशबाजी कर ले तो प्रदूषण हो गया। हुआ है तो समाप्त भी हो जाएगा। कोई समस्या नहीं है। लोगों ने अच्छा किया पूरे धूम-धड़ाके के साथ दीपावली मनाई। खूब आतिशबाजी की। हम लोगों ने कहा कि कोई प्रतिबंध नहीं लगाएंगे। मैं भी अयोध्या में आतिशबाजी में था। सीएम योगी ने कहा कि जब गलत होता है तब कोई नहीं कुछ कहता लेकिन पर्व और त्योहार में कोई खुशी मनाता है तो लोगों को प्रदूषण याद आने लगता है। कार्यक्रम में सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार ने दंगाइयों का काल मानी जाने वाली यूपीपीएसी की 34 कंपनियों को खत्म कर दिया था। परिणाम था कि सपा के चार बार के कालखंड में यूपी में 1500 दंगे हुए थे। महीनों-महीनों कर्फ्यू रहता था। आपने देखा होगा धनतेरस के दिन पूरी मार्केट में चहल-पहल थी।

'कोविड की तरह ही दिल्ली प्रदूषण...', WHO की पूर्व साइंटिस्ट की चेतावनी, वक्त से पहले मौत और प्रीमेच्योर बर्थ का खतरा

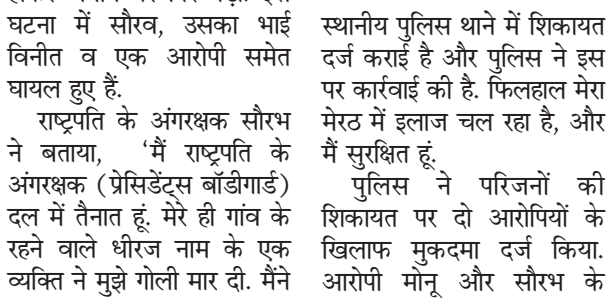


नई दिल्ली। वक्त से पहले मौत, डायबिटीज और अस्थमा का खतरा... इसके साथ ही दिमाग, फेफड़ों और हृदय प्रणाली पर बुरा असर. आसान भाषा में कहें तो दिल्ली के वायु प्रदूषण ने शरीर के करीब हर अंग और हिस्से पर किसी न किसी तरह का असर डाला है. इसलिए, यह जरूरी है कि हम इसे कोरोनावायरस जैसी बीमारी की तरह ही समझें. यानी वायु प्रदूषण से बचने के लिए कोविड जैसी ही सावधानियां बरतें. WHO यानी विश्व स्वास्थ्य संगठन की पूर्व चीफ साइंटिस्ट डॉ. सौम्या स्वामीनाथन का कहना है कि यह भी COVID की तरह ही एक बहुत बड़ी पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी है.

डॉ. स्वामीनाथन कहती हैं, 'फर्क बस इतना है कि वायरस से फैलने वाला कोरोना वायरस अचानक सामने आ था. उस वक्त एक अनजान खतरे को लेकर बहुत ज्यादा डर था. यह अचानक हुआ, साफ तौर पर दिखाई दे रहा था और लोगों की जान आपकी आंखों के सामने जा रही थी.

दूसरी तरफ, वायु प्रदूषण सर्दियों के मौसम को छोड़कर ज्यादातर दिनों में दिखाई नहीं देता है. वायु प्रदूषण का असर बच्चों पर गर्भ के वक्त से ही शुरू हो जाता है. इसके बारे में बात करते हुए डॉ. स्वामीनाथन कहती हैं कि जिंदगी के शुरुआती वर्षों में जब बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास सबसे तेजी से होता है, तब पोषण, सही माहौल और देखभाल के साथ-साथ यह भी बहुत मायने रखता है कि बच्चा किस तरह के वातावरण में बड़ा हो रहा है. डॉ. स्वामीनाथन ने आगे बताया कि जिंदगी के पहले तीन साल में बच्चों का दिमाग बहुत तेजी से विकसित होता है. साथ ही, इस दौरान उनके अंग विकसित हो रहे होते हैं, जिस वजह से वे बड़ों की तुलना में तेजी से सांस लेते हैं.

मुंबई-कोलकाता एअर इंडिया फ्लाइट से हाईजैक अलर्ट, दमदम एयरपोर्ट पर मची अफरातफरी



कोलकाताः पश्चिम बंगाल स्थित कोलकाता एयरपोर्ट पर एअर इंडिया की फ्लाइट में हाइजैक अलर्ट मिला है. बुधवार सुबह कोलकाता एयरपोर्ट से मुंबई जाने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट में हाइजैक अलर्ट जारी किया गया. टेक-ऑफ से ठीक पहले पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को हाइजैक से जुड़ा अलर्ट मैसेज दिया. इसके बाद विमान को तुरंत आइसोलेशन बे में ले जाया गया. जानकारी मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू की गई. सूत्रों के मुताबिक, विमान को धमकी मिली थी. स्क्वॉक के तहत सुरक्षा एजेंसियां विमान की जांच कर रही हैं. फिलहाल, जांच के बाद ही पूरी जानकारी सामने आएगी. विमान में सवार यात्रियों की लिस्ट के साथ एयरपोर्ट परिसर और विमान के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है. फिलहाल, जांच एजेंसियां पूरे मामले की पड़ताल में जुटी हैं.

क्या है पूरा मामला?

राजधानी कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब मुंबई जाने वाली एअर इंडिया की एक फ्लाइट में हाईजैक की धमकी मिलने की सूचना सामने आई. विमान के शौचालय के शीशे पर हाईजैक से संबंधित धमकी भरा संदेश लिखा मिला. मंत्रालय से जुड़े आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, विमान के टॉयलेट में एक धमकी भरा नोट मिला है. उन्होंने बताया कि फिलहाल एयरपोर्ट पर ऑपरेशंस कंट्रोल की बैठक चल रही है और विमान को आइसोलेशन बे में खड़ा किया गया है. जानकारी के मुताबिक, विमान उड़ान भरने की तैयारी में था. इसी दौरान शौचालय के शीशे पर लिखे धमकी भरे मैसेज पर नजर पड़ी.

अखिलेश यादव का बीजेपी पर बड़ा हमला, बोले- 'नोटबंदी दुनिया का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार साबित हुई'



लखनऊः समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को कई राजनीतिक मुद्दों पर बीजेपी को निशाने पर लिया. नोटबंदी की कथित बरसी को लेकर खजांची का जन्मदिन मनाते हुए उन्होंने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाए. वहीं, वोटर लिस्ट से नाम कटने, कथित वोट चोरी, विपक्षी गठबंधन और अपने अयोध्या दौरे को लेकर भी खुलकर अपनी बात रखी. अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी को खजांची को गोद ले लेना चाहिए, लेकिन वैसा नहीं जैसा उसके सांसदों ने गांव गोद लिए थे. नोटबंदी के दौरान पैदा हुए खजांची का जन्मदिन मनाते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि नोटबंदी के समय सरकार की ओर से किए गए दावों में से एक भी दावा पूरा नहीं हुआ. उन्होंने आरोप लगाया कि नोटबंदी देश के इतिहास का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार साबित हुई. इस फैसले का सबसे ज्यादा नुकसान गरीबों और छोटे कारोबारियों को उठाना पड़ा. अखिलेश ने सवाल उठाया कि आखिर दो हजार रुपये का नोट बंद करने की जरूरत क्यों पड़ी? उन्होंने कहा कि नोटबंदी के नाम पर बैंकों को डुबाने का काम किया गया. सरकार ने जिस उद्देश्य के साथ नोटबंदी लागू की थी, उसका कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया.

उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के दावे पर भी सवाल उठाए. अखिलेश के मुताबिक, विकसित भारत का दावा महज जुमला है और देश की अर्थव्यवस्था को लेकर सरकार के दावों तथा जमीनी हकीकत में बड़ा अंतर है.

वोटर लिस्ट से बड़ी संख्या में लोगों के नाम हटाए जाने के मुद्दे पर अखिलेश यादव ने कहा कि करीब एक करोड़ 27 लाख नाम कटने का आंकड़ा बताया जा रहा है. उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की ओर से इस संबंध में कई सुझाव दिए गए हैं, जिन पर अमल किया जाना चाहिए. अखिलेश ने मांग की कि वोटर लिस्ट को आधार से जोड़ा जाए और मतदान प्रक्रिया में डिजिटल तथा बायोमेट्रिक सिस्टम लागू किया जाए. उनका आरोप था कि बीजेपी ऐसा नहीं करना चाहती, क्योंकि उसे पता है कि राजनीतिक मुकाबला 80-20 का नहीं, बल्कि 95-5 का है. उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से भी चुनावी तैयारियों में पूरी ताकत लगाने की अपील की.

राष्ट्रपति के बॉडीगार्ड पर फायरिंग मामले में दो पर FIR



बागपत । दीपावली की रात पटाखे छोड़ने को लेकर ऐसा खूनी विवाद हुआ कि गांव ही दहल गया. मामूली कहासुनी के बाद एक युवक ने तमंचे से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी. एक गोली सीधे राष्ट्रपति के अंगरक्षक के सिर में जा लगी. अंगरक्षक लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा. इस घटना में सौरव, उसका भाई विनीत व एक आरोपी समेत घायल हुए हैं.

राष्ट्रपति के अंगरक्षक सौरभ ने बताया, 'मैं राष्ट्रपति के अंगरक्षक (प्रेसिडेंट्स बॉडीगार्ड) दल में तैनात हूं. मेरे ही गांव के रहने वाले धीरज नाम के एक व्यक्ति ने मुझे गोली मार दी. मैंने स्थानीय पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस ने इस पर कार्रवाई की है. फिलहाल मेरा मेरठ में इलाज चल रहा है, और मैं सुरक्षित हूं.

पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया. आरोपी मोनू और सौरभ के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया. पुलिस की तीन टीम आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी हुई हैं. पटाखे जलाने को लेकर हुए विवाद में राष्ट्रपति के अंगरक्षक सौरभ तोमर गोली लगने से घायल हुआ था. फिलहाल सौरभ मेरठ के अस्पताल के आइसीयू में भर्ती है.

पर्दे के पीछे के नायक: जिन्होंने चम्पावत में दुग्ध क्रांति और जनसेवा को दी नई पहचान

डॉ. भरत चंद ने बोया दुग्ध क्रांति का बीज, जनक चंद और डॉ. जेपी यादव बढ़ा रहे आगे

समाज कल्याण विभाग में दीपक गहतोड़ी की ईमानदार कार्यशैली बनी मिसाल







के.के.पी संवाददाता

चम्पावत। राज्य स्थापना दिवस पर विकास की चर्चा हो और पशुपालन के क्षेत्र में डॉ. भरत चंद के योगदान का जिक्र न हो, तो बात अधूरी रह जाती है। उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और लगन ने चम्पावत जिले में दूध उत्पादन की ऐसी क्रांति लाई, जिसके लिए पशुपालक आज भी उन्हें याद करते हैं। पशुपालकों का मानना है कि जो काम करोड़ों की परियोजना से भी मुश्किल था, उसे डॉ. चंद ने बिना अतिरिक्त धन खर्च किए सिर्फ अपनी मेहनत से कर दिखाया। डॉ. चंद के स्थानांतरण के बाद उनके काम को पशु चिकित्सा फार्मेसी अधिकारी जनक चंद लगातार आगे बढ़ा रहे हैं। उनके सधे हाथों से किए गए कृत्रिम गर्भाधान (एआई) को करीब 40 हजार गायों में अच्छी सफलता मिली है। सेक्स सॉर्टेड वीर्य से एआई शुरू होने के बाद पशुपालकों के सामने नर बछड़ों के पालन की समस्या लगभग खत्म हो गई है। जनक चंद आज हर पशुपालक के लिए भरोसे का नाम बन गए हैं।

पिछले दो वर्षों से लोहाघाट में तैनात पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. जेपी यादव ने पशुपालन को और गति दी है। किसान परिवार से आने वाले डॉ. यादव पशु सर्जरी में माहिर माने जाते हैं। इलाज के दौरान कपड़े गोबर और गोमूत्र से सन जाएं, इसकी उन्हें परवाह नहीं रहती। उन्होंने कई ऐसे पशुओं को बचाया है, जिनके बचने की उम्मीद नहीं थी। डॉ. यादव का कहना है कि पशु और पशुपालक हैं, तभी हमारी नौकरी का अस्तित्व है; उनकी सेवा में लापरवाही को ईश्वर भी माफ नहीं करेगा। वे जहां भी जाते हैं, क्षेत्र की परवाह किए बिना पशुओं का इलाज करते हैं। डॉ. यादव डॉ. भरत चंद को अपना गुरु मानते हैं और उन्हीं के बताए रास्ते पर चल रहे हैं।

दीपक गहतोड़ी: जिनकी मेज पर नहीं रुकती कोई फाइल

सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना आसान नहीं होता, लेकिन गरीबों, विधवाओं और दिव्यांगों की मदद करने वाले समाज कल्याण विभाग में दीपक गहतोड़ी की कार्यशैली मिसाल बनी है। उनकी ईमानदारी और सेवा भाव के कारण लोग उन्हें दुआएं देते हैं। बताया जाता है कि उनकी मेज पर कोई कागज नहीं रुकता। मॉडल जिले में 30 हजार से अधिक लोग विभाग की योजनाओं का लाभ ले रहे हैं, जिनमें से अधिकतर को दीपक व्यक्तिगत रूप से जानते हैं। जिला प्रशासन उन्हें कई बार सम्मानित भी कर चुका है।

मुख्य विकास अधिकारी ने किया विकास खंड कार्यालय हल्द्वानी का औचक निरीक्षण

विकास खंड कार्यालय हल्द्वानी के अनुपस्थित 12 कार्मिकों का वेतन रोकने तथा स्पष्टीकरण लेने के दिए निर्देश

विकास खंड अधिकारी भीमताल के बिना अवकाश स्वीकृत कराए व बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने पर स्पष्टीकरण के दिए निर्देश

विकासखंड कार्यालय भीमताल के 3 कार्मिकों की सेवा समाप्ति की संस्तुति



के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। मुख्य विकास अधिकारी अरविन्द कुमार पाण्डेय द्वारा विकास खण्ड हल्द्वानी का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विकास खण्ड में संचालित समस्त योजनाओं वी0बी0जी0राम0जी0 एन0आर0एल0एम0, ग्रामोत्थान विधायक निधि, सांसद निधि पंचायतीराज, युवा कल्याण विभाग, समाज कल्याण विभाग लघु सिंचाई के कार्यो की समीक्षा की गयी। अनुपस्थित पाये गये 05 कर्मचारी तथा बिना अवकाश स्वीकृत कर अवकाश पर गये 07 कर्मचारियों के सम्बन्ध में खण्ड विकास अधिकारी हल्द्वानी को निर्देशित किया गया कि सम्बन्धित कर्मचारियों का स्पष्टीकरण किया जाए तथा संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर उक्त तिथि का वेतन आहरित न किया जाए। विधायक निधि सांसद निधि, राज्य वित्त एवंम पन्द्रहवा वित्त योजना के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि के पूर्ण उपयोग न होने पर रोष व्यक्त करते हुए शीघ्र प्राप्त धनराशि का उपयोग करने के निर्देश दिये गये।

खण्ड विकास अधिकारी भीमताल से दूरभाष पर वार्ता करने पर ज्ञात हुआ कि वे बिना अवकाश स्वीकृत कराए व बिना पूर्वानुमति के मुख्यालय से बाहर गये है तथा उनके कार्यालय से नदारद रहने पर उनका स्पष्टीकरण लिये जाने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी भीमताल में अनुपस्थित पाये गये 03 कर्मचारियों की सेवा समाप्ति की कार्यवाही हेतु जिलाधिकारी महोदय नैनीताल को संस्तुति की जा रही है। निरीक्षण के दौरान सहायक परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 श्रीमती चंदा फर्त्याल खण्ड विकास अधिकारी श्री बी0एस0बिष्ट, सहा0ख0वि0अ0 एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे ।

एक नजर

राज्य आन्दोलनकारियों को एसडीएम ने किया सम्मानित



के.के.पी संवाददाता/भिकियासैण(अल्मोड़ा)। उत्तराखंड राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ पर जनपद अल्मोड़ा अंतर्गत तहसील कार्यालय भिकियासैण में आयोजित सम्मान कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी याक्षी अरोड़ा ने उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलनकारी मदन सिंह कठायत,देवगिरी गोस्वामी, प्रयाग दत्त शर्मा को शाल व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।उस दौरान राज्य आन्दोलन के शहीदों को याद कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये।कार्यक्रम में राज्य आन्दोलन के दौरान संघर्ष के संस्मरणों को राज्य आन्दोलनकारियों ने साझा किया।इस दौरान राजस्व उपनिरीक्षक कमल आर्या,डॉ नवीन चंद्र सहित अनेकों लोग मौजूद रहे।

'ऑपरेशन प्रहार' के तहत नियमों का उल्लघन करने वालो पर बागेश्वर पुलिस की कार्रवाई जारी

के.के.पी संवाददाता/बागेश्वर। पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे अभियान 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत पुलिस अधीक्षक बागेश्वर जितेन्द्र मेहरा (IPS) के निर्देशन में समाज में शांति व्यवस्था को प्रभावित करने वाले और सार्वजनिक स्थलों पर हुड़दंग करने वालों के खिलाफ अभियान के क्रम में दिनाँक-10/11/2026 को यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 22 वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई। जिसमें 04 वाहन का माननीय न्यायालय का चालान किया गया । पुलिस द्वारा देर सांय ऑपरेशन क्लीन स्वीप चलाते हुए होटल/ढाबों की चैकिंग की गयी जिसमें बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन अभियान चलाकर 06 बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन किया गया पुलिस द्वारा बाहरी क्षेत्रों से आए अपराधी या संदिग्ध व्यक्ति जो अपनी पहचान छिपाकर या वेश बदलकर रह रहे हैं ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित कर लगातार चैकिंग की जा रही है । सार्वजनिक स्थानों में शान्ति व्यवस्था भंग करने, बिना पुलिस सत्यापन रह रहे 12 व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस एक्ट में चलानी कार्यवाही की गयी।

बागेश्वर पुलिस द्वारा जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में हिस्ट्रीशीटरों का किया गया सत्यापन एवं सख्त हिदायत

के.के.पी संवाददाता/बागेश्वर। पुलिस अधीक्षक बागेश्वर जितेंद्र मेहरा (IPS) के कुशल निर्देशन में जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा समाज में सक्रिय अराजक तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु बागेश्वर पुलिस द्वारा लगातार सतर्क दृष्टि रखी जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 10/11/2026 को जनपद बागेश्वर के सभी थाना एवं चौकी पुलिस टीमों द्वारा दैनिक कार्यवाही के अंतर्गत अपने-अपने क्षेत्रों के हिस्ट्रीशीटरों की सघन चेकिंग एवं भौतिक सत्यापन अभियान चलाया गया।

हिमालयी जड़ी-बूटियों से आत्मनिर्भरता की नई कहानी

नंदिनी ने 'Himalayan Twacha' के जरिए स्थानीय संसाधनों को दिया नया बाजार

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखंड सरकार द्वारा युवाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से प्रेरित होकर प्रदेश की युवा प्रतिभाएं स्थानीय संसाधनों को नए अवसरों में बदल रही हैं। ऐसी ही प्रेरक कहानी है, हल्द्वानी की बीएससी बायोटेक्नोलॉजी की छात्रा और युवा उद्यमी नंदिनी की।

नंदिनी ने 'Himalayan Twacha' नाम से अपना उद्यम शुरू किया है, जिसमें हिमालयी जड़ी-बूटियों और प्राकृतिक सामग्री से हस्तनिर्मित साबुन तैयार किए जा रहे हैं। उनके उत्पादों में बुरांश, सी-बकथॉर्न, केसुड़ा, नीम, एलोवेरा, मिक्स फ्रूट और गोट मिल्क साबुन प्रमुख हैं। कैस्टर ऑयल, नारियल तेल, शीया बटर और कोकोआ बटर जैसे घटकों के साथ साबुन सैपोनिफिकेशन प्रक्रिया से तैयार किए जाते हैं।



Himalayan Twacha की खास पहचान इसकी पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग भी है। उत्पादों को प्लांट लीव्स में पैक कर जूट की रस्सी से बांधा जाता है, जिससे स्थानीय परंपरा और आधुनिक उत्पाद प्रस्तुति का अनूठा मेल देखने को मिलता है।

नंदिनी के लिए हिमालय केवल व्यवसाय का बाजार नहीं, बल्कि उनकी जड़ों और पारंपरिक ज्ञान का हिस्सा है। स्थानीय जड़ी-बूटियों के पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक उद्यमिता से जोड़कर वह उत्तराखंड की प्राकृतिक विरासत को नए बाजार तक पहुंचाने का प्रयास कर रही हैं।

मेलों से मिला बाजार और पहचान

नंदिनी बताती हैं कि राज्य सरकार के प्रयासों से उन्हें सरस मेले सहित विभिन्न मेलों में अपने उत्पादों की बिक्री और प्रदर्शन के लिए स्टॉल एवं उचित मंच उपलब्ध हो रहा है। इन आयोजनों के माध्यम से उनके उत्पादों को नए ग्राहकों तक पहुंचने के साथ ही अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने का अवसर भी मिल रहा है। नंदिनी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार द्वारा स्थानीय उत्पादों और युवा उद्यमियों को दिए जा रहे मंच से उन्हें अपने सपनों को आगे बढ़ाने में काफी सहयोग मिल रहा है।

Himalayan Twacha की यह पहल स्थानीय संसाधनों, पारंपरिक ज्ञान और युवा उद्यमिता के समन्वय से आत्मनिर्भर उत्तराखंड की दिशा में बढ़ते कदमों की प्रेरक मिसाल है।

यौन उत्पीड़न के आरोपों पर इंद्रदेव को महामंडलेश्वर पद से हटाया

पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी का बड़ा फैसला, अखाड़ा परिषद अध्यक्ष एवं सचिव डॉ. रविंद्र पुरी बोले- पद मिलने के बाद अखाड़े के किसी कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। महामंडलेश्वर स्वामी इंद्रदेव महाराज पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी ने कड़ा कदम उठाते हुए उन्हें महामंडलेश्वर पद से निष्कासित कर दिया है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष एवं पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के सचिव श्रीमहंत डॉ. रविंद्र पुरी ने बताया कि अखाड़े की ओर से मामले को गंभीरता से लेते हुए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि महामंडलेश्वर बनाए जाने के बाद स्वामी इंद्रदेव महाराज अखाड़े के किसी भी कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए।

श्रीमहंत डॉ. रविंद्र पुरी ने बताया कि स्वामी इंद्रदेव महाराज को पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी की ओर से महामंडलेश्वर पद प्रदान किया गया था। हालांकि, पद मिलने के बाद से ही उनका अखाड़े की गतिविधियों से कोई सक्रिय जुड़ाव नहीं रहा। वह अखाड़े के धार्मिक, सामाजिक अथवा अन्य किसी कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए।



उन्होंने कहा कि स्वामी इंद्रदेव महाराज के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप सामने आने के बाद अखाड़े ने पूरे मामले का संज्ञान लिया। आरोपों की गंभीरता और मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए उन्हें महामंडलेश्वर पद से निष्कासित करने का निर्णय लिया गया।

डॉ. रविंद्र पुरी ने कहा कि अब पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी का स्वामी इंद्रदेव महाराज से किसी भी प्रकार का संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि संत परंपरा और अखाड़ों की अपनी मर्यादा एवं प्रतिष्ठा है। अखाड़ा अपनी परंपराओं और मर्यादाओं को लेकर गंभीर है। ऐसे किसी भी मामले को लेकर लापरवाही नहीं बरती जा सकती, जिससे संत समाज की छवि प्रभावित हो।

उन्होंने कहा कि अखाड़े ने वर्तमान परिस्थितियों और सामने आए आरोपों को गंभीरता से लेते हुए ही यह कार्रवाई की है।

ऑपरेशन प्रहार के तहत हल्दूचौड़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, लंबे समय से फरार चल रहे दो वारंटी गिरफ्तार

के.के.पी संवाददाता

हल्दूचौड़(लालकुंआ)। ऑपरेशन प्रहार के तहत वारंटियों के विरुद्ध चौकी हल्दूचौड थाना लालकुआ पुलिस कार्यवाही करते हुए काफी समय से फरार चल रहे 02 वारण्टी को किया गिरफ्तार श्रीमान् वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल डॉ0 मंजूनाथ टी.सी. महोदय के दिशा निर्देशन व श्री हरवश सिह पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी एवं विमल प्रसाद क्षेत्राधिकारी लालकुऑ के पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक लालकुआ के नेतृत्व में चौकी हल्दूचौड पुलिस टीम द्वारा ऑपरेशन प्रहार के तहत वारंटियो की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत चौकी हल्दूचौड थाना लालकुआ पुलिस को आज फिर बड़ी सफलता मिली है । दिनांक 11/11/2026 को चौकी हल्दूचौड थाना लालकुआ द्वारा माननीय न्यायालय हल्द्वानी से जारी गैर जमानती वारंट (NBW) वारण्टी रामू पुत्र विशन धारी निवासी सजय नगर बजरी कम्पनी लालकुआ जिला नैनीताल ,जीवन सिह राठौर पुत्र आन सिह राठौर निवासी बकुलिया मौटाहल्दू हल्दूचौड लालकुआ जिला नैनीताल को इनके घर से गिरफ्तार किया गया वारण्टी को नियमानुसार माननीय न्यायालय हल्द्वानी के समक्ष पेश किया जा रहा है।



गिरफ्तारी टीम

1-उप निरीक्षक अर्जुन गिरी चौकी प्रभारी हल्दूचौड लालकुआ.
2 उपनिरीक्षक वन्दना चौहान
3-का0 गुरमेज सिह।
4-का0 गणेश गिरी

SARRA एवं CRRFP की जिला स्तरीय समितियों की बैठक में परियोजना कार्यों की अद्यतन प्रगति की समीक्षा

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। मुख्य विकास अधिकारी, नैनीताल के निर्देशानुक्रम में बुधवार को प्रसार प्रशिक्षण केन्द्र, बागजाला (गौलापार), हल्द्वानी में जिला विकास अधिकारी, नैनीताल संतोष पंत की अध्यक्षता में स्प्रिंग एंड रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी के अन्तर्गत विभिन्न कार्यदायी विभागों द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा एवं परियोजनाओं को जिला स्तरीय कार्यकारी समिति से पारित करवाने के दृष्टिगत बैठक आयोजित की गई। बैठक में रेखीय विभागों तथा लघु सिंचाई, वन विभाग, सिंचाई विभाग तथा खण्ड विकास अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPRs) पर सदस्य सचिव, सारा डॉ. एस. के. उपाध्याय द्वारा सदन के समक्ष एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से चर्चा की गई। उप निदेशक जलागम डॉ एस के उपाध्याय द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से परियोजना में किए जा रहे अभिनव कार्यों के बारे में जानकारी दी गई, जिनमें मुख्य रूप से सोणित बीज उत्पादन कार्यक्रम मे बकरी नस्ल सुधार हेतु सिरोही प्रजाति के प्रयोग सोलर वाटर लिफ्टिंग पंप जियो मेम्ब्रेन टैंक, एल.डी.पी.ई. टैंक तथा ड्रिप सिंचाई द्वारा सिंचन क्षमता में वृद्धि पुष्पोत्पादन लिलियम सब्जी उत्पादन में मल्चिंग शीट का प्रयोग किये जाने संबंधी जानकारी दी।



बैठक में रेखीय विभागों तथा लघु सिंचाई, वन विभाग सिंचाई विभाग तथा खण्ड विकास अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पर सदस्य सचिव, सार्रा डॉ. एस. के. उपाध्याय द्वारा सदन के समक्ष एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से परियोजनाओं को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया है। 5 ऐतिहासिक, पौराणिक एवं सांस्कृतिक महत्व के नौलों तथा धारों के पुनरोद्धार की योजना को भी पारित किया गया। गौला तथा लधिया नदियों के पुनर्जीवन हेतु प्रस्तावित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) को लघु सिंचाई विभाग के निर्देशन में गैर सरकारी संगठनों (NGOs) के माध्यम से विभिन्न विभागों के समन्वय से निरूपित किए जाने को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। CRRFP की DCC बैठक में हुई भौतिक एवं वित्तीय समीक्षा के दौरान उत्तराखण्ड जलवायु अनुकूल बारानी कृषि परियोजना (UCRRFP) हेतु गठित जिला समन्वय समिति (DCC) की बैठक में परियोजना द्वारा जन सहभागिता के माध्यम से किए जा रहे कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय समीक्षा की गई।

दिवाली मिलन कार्यक्रम में सौहार्द और भाईचारे का संदेश, ब्लॉक प्रमुख ने किया मिष्ठान वितरण

के.के.पी संवाददाता

अल्मोड़ा। हवालबाग विकासखंड सभागार में बुधवार को ब्लॉक प्रमुख हिमानी कुंडु की ओर से दिवाली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख हिमानी कुंडु ने की। कार्यक्रम में पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष रवि रौतेला, हरीश कनवाल और प्रधान संगठन ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नयाल अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों, स्थानीय लोगों और विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने हिस्सा लिया। सभी ने एक-दूसरे को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दीं और आपसी भाईचारे, सौहार्द तथा सामाजिक एकता को मजबूत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण और आत्मीय रहा।



ब्लॉक प्रमुख हिमानी कुंडु ने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने और खुशियां मनाने का पर्व नहीं है, बल्कि यह आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भावना का संदेश भी देती है। दीपावली का प्रकाश समाज में फैले अंधकार को दूर करने और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि पर्व और त्योहार लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने का काम करते हैं और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी लोग मिल-जुलकर क्षेत्र के विकास और जनकल्याण के कार्यों में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि हवालबाग क्षेत्र में विकास कार्यों के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता और आपसी समन्वय को भी प्राथमिकता दी जा रही है।

इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख हिमानी कुंडु की ओर से उपस्थित जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों और अन्य लोगों को मिष्ठान वितरित किया गया। उन्होंने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की। मिष्ठान वितरण के दौरान कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने एक-दूसरे को दीपावली की बधाई दी और क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष रवि रौतेला ने भी उपस्थित लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व हमें सत्य, सद्भाव और सकारात्मकता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी से पर्व को आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की।

प्रधान संगठन ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नयाल ने कहा कि दीपावली का पर्व गांवों और समाज में आपसी एकता, भाईचारे और सहयोग की भावना को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधान गांवों के विकास और जनहित से जुड़े कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे आयोजनों से जनप्रतिनिधियों के बीच आपसी समन्वय बढ़ता है और क्षेत्र की समस्याओं तथा विकास कार्यों पर मिलकर चर्चा करने का अवसर मिलता है। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

कार्यक्रम का संचालन प्रधान संगठन महामंत्री विनोद जोशी ने किया। इस दौरान प्रधान संगठन उपाध्यक्ष चंद्रिका तिवारी, नवीन भट्ट, एबीडीओ राजेंद्र टम्टा, कमल किशोर चम्याल, राहुल खोलिया, मदन बिष्ट, हितेश नेगी, प्रदीप पालनी, गिरीश तिवारी सहित बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य और विकासखंड का स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम के अंत में ब्लॉक प्रमुख हिमानी कुंडु ने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

नगर से गांव तक उल्लास के साथ मनाया गया भैया दूज, बहनों ने की भाइयों की दीर्घायु की कामना

भाइयों ने उपहार देकर लिया बहनों की रक्षा का संकल्प, दिनभर वाहनों में रही महिला यात्रियों की भीड़

के.के.पी संवाददाता

लोहाघाट/चम्पावत। भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक भैया दूज का पर्व नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में अपार उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में पर्व को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। बहनों ने पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ अपने भाइयों का तिलक कर पूजन किया और उनकी दीर्घायु व सुख-समृद्धि की कामना की।

भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर उनके जीवन में सदा मंगल और खुशहाली की कामना की तथा हर परिस्थिति में उनका साथ निभाने का संकल्प लिया। कई परिवारों में दूर-दराज से आए भाई-बहन वर्षों बाद एक साथ पर्व मनाते नजर आए, जिससे घरों में उत्सव जैसा माहौल रहा।

पर्व के चलते दिनभर सड़कों पर चहल-पहल बनी रही। मायके और भाइयों के घर जाने वाली महिलाओं के कारण बसों और टैक्सियों में महिला यात्रियों की भारी भीड़ देखी गई। बाजारों में भी मिठाई और उपहार की दुकानों पर रौनक रही।



भैया दूज पर मडलक में बगवाली मेले की धूम, देवी रथों को कंधा देने उमड़े श्रद्धालु

मडलक, मझपीपल और बगोली से निकली देवी रथ यात्रा, देवी मैत बूंगा पहुंचकर निभाई सदियों पुरानी परंपरा

डीएम ने किया मेले का शुभारंभ, प्रवासियों से की गांव लौटकर खेत आबाद करने की अपील



के.के.पी संवाददाता

लोहाघाट। नेपाल सीमा से लगे मडलक गांव में भैया दूज के अवसर पर बगवाली मेले की धूम रही। भगवती मंदिर मडलक, मझपीपल, बगोली और देवी मैत बूंगा से देवी रथ यात्रा निकाली गई, जिसमें क्षेत्र के दर्जनों गांवों के श्रद्धालुओं ने भाग लिया और डोले को कंधा देकर मां का आशीर्वाद लिया।

सबसे पहले सैलला गांव से देवी का रथ मंदिर पहुंचा। इसके बाद मडलक और फिर बगोली गांव से शोभायात्रा निकली, जो मझपीपल पहुंची, जहां पहले से उस गांव के रथ की प्रतीक्षा हो रही थी। यहां से दोनों रथ एक साथ मडलक के भगवती मंदिर की ओर रवाना हुए। रथों के पीछे महिलाएं लोकगीत गाते हुए मां भगवती की आराधना करती चल रही थीं। मां के जयकारों के बीच हजारों लोग मंदिर पहुंचे।

मंदिर की परिक्रमा के बाद तीनों रथ देवी मैत बूंगा की ओर गए। मान्यता है कि मां भगवती सदियों से इसी दिन अपने भाई का पूजन करने यहां आती रही हैं, इसलिए इस स्थान को देवी मैत (देवी का मायका) कहा जाता है। इसके बाद रथ फिर भगवती मंदिर मडलक लौटे, जहां परिक्रमा के बाद देव डांगरों ने सभी को आशीर्वाद दिया। देवी रथ को कंधा देना यहां सौभाग्य माना जाता है।

इससे पहले जिलाधिकारी मनीष कुमार ने इस परंपरागत मेले का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि ऐसे मेले हमें प्रकृति, संस्कृति और पूर्वजों की विरासत से जोड़ते हैं तथा संगठित जीवन और आस्था की प्रेरणा देते हैं। जिलाधिकारी ने मेले में आए प्रवासियों से भी मुलाकात की और कहा कि यहां की सुंदर आबोहवा छोड़कर मैदानों की भीड़ का हिस्सा बनने से कोई लाभ नहीं। उन्होंने लोगों से गांव लौटकर पूर्वजों के खेतों को आबाद करने की अपील की और कहा कि जिला प्रशासन इसमें पूरा सहयोग करेगा।

मेला आयोजन समिति अध्यक्ष आनंद जोशी, ग्राम प्रधान महेश जोशी, डॉ. सतीश चंद्र पांडे, दयाकृष्ण उपाध्याय, भुवन भट्ट, वासुदेव उपाध्याय, पूरन भट्ट आदि ने जिलाधिकारी, उनके साथ आए आईपीएस आशीष पंत और जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद अधिकारी का स्वागत किया। स्कूली बच्चों ने अतिथियों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बुधवार को दोपहर बाद बगवाली महोत्सव में रंगारंग कार्यक्रम होंगे, जिन्हें देखने नेपाल से भी लोग पहुंचेंगे।

भैया दूज पर भाइयों की लंबी उम्र की कामना, मंदिरों में च्यूड़े चढ़ाकर मांगा सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

के.के.पी संवाददाता

अल्मोड़ा। जिलेभर में गुरुवार को भैया दूज का त्योहार उत्साह और उमंग के साथ धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही घरों में पर्व को लेकर चहल-पहल रही। बहनों ने भाइयों को अक्षत लगाकर उनके सिर पर दूब और च्यूड़े रखे तथा उनकी दीर्घायु, सुख-समृद्धि और सफल जीवन की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को स्नेह और शुभकामनाएं देते हुए पर्व की खुशियां साझा कीं। भैया दूज के अवसर पर श्रद्धालुओं ने जिले के विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिरों में पहुंचकर पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने धान से निर्मित च्यूड़े देवी-देवताओं को अर्पित कर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और ऐश्वर्य की कामना की। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही और धार्मिक वातावरण रहा। अल्मोड़ा नगर और आसपास के क्षेत्रों में



श्रद्धालुओं ने नंदादेवी, त्रिपुरासुंदरी, कालिका देवी, शीतला देवी, उल्कादेवी, बद्रेश्वर, पातालदेवी, कमलेश्वर, बालेश्वर, बेतालेश्वर, वानड़ीदेवी, देवलीडाना और जगदंबा दरबार सहित विभिन्न मंदिरों में पहुंचकर च्यूड़े चढ़ाए। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पर्व को लेकर घरों में भी विशेष तैयारियां की गई हैं। महिलाओं ने पारंपरिक पकवान तैयार किए और परिवार के सदस्यों के साथ भैया दूज का त्योहार मनाया। पहाड़ की लोक परंपराओं और रीति-रिवाजों के अनुरूप मनाए जाने वाले इस पर्व को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।

शहरों को हिल एंड हिमालयन सिटी के रूप में किया जाए विकसित ! तोखन साहू

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। आवास एवं शहरी मामलों के केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने सर्किट हाउस काठगोदाम में नगर निगम, नगर पालिका तथा नगर पंचायत के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक ली।

उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि शहरों को हिल एंड हिमालयन सिटी के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है और यहां के अधिकांश क्षेत्र हिल एवं हिमालयन सिटी की विशेषता रखते हैं। ऐसे में शहरों का सुनियोजित विकास होने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहरों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा नदियों में



किसी भी स्थिति में गंदा पानी न जाने दिया जाए। निगम एवं नगर निकायों में कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में भी और अधिक प्राथमिकता देते हुए कार्य किए जाए । उन्होंने कहा कि पर्यटन स्थलों की स्वच्छता और सुंदरता बनाए रखना सभी नगर निकायों की जिम्मेदारी है। इसी दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आचार संहिता लागू होने से पूर्व नगर निगम, नगर पालिका एवं नगर पंचायत क्षेत्रों में चल रहे लंबित सभी विकास कार्यों को शत-प्रतिशत पूर्ण करना सुनिश्चित करें और प्रस्तावित कार्यों को आचार संहिता लागू होने से पहले ही शुरू करना सुनिश्चित करें ताकि आचार संहिता के दौरान विकास कार्य प्रभावित न हों। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है और यहां के अधिकांश बाजार पर्वतीय क्षेत्रों में स्थित हैं। ऐसे में बाजारों में मूलभूत सुविधाओं, यातायात व्यवस्था एवं जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए अधिकारी प्राथमिकता से कार्य करें। बैठक में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी रोहिताश सिंह ने बताया कि कैंची धाम आने वाले श्रद्धालु बाबा के दर्शन करने के बाद नैनीताल शहर भी पहुंचते हैं। उन्होंने बताया कि नगर पालिका के अंतर्गत तीन पार्किंग संचालित हैं, जबकि कूड़ा निस्तारण एक प्रमुख समस्या बनी हुई है। उन्होंने बताया कि नगर क्षेत्र में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन की व्यवस्था लागू की गई है। वहीं, लालकुआं को डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन एवं स्वच्छता व्यवस्था के क्षेत्र में पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। बैठक में मेयर नगर निगम गजराज बिष्ट, नगर आयुक्त परितोष वर्मा, नगर पालिका अधिशासी अधिकारी रोहिताश शर्मा के साथ अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत लालकुआँ, भीमताल, भवाली,कालाढूंगी, रामनगर के अधिकारी उपस्थित रहें।

जमरानी बांध प्रभावितों के पुनर्वास में देरी पर सांसद अजय भट्ट सख्त, आयुक्त को लिखा पत्र

50 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण और 213 परिवारों के प्रभावित होने का मामला उठाया, स्थलीय निरीक्षण कर समस्याओं के समाधान के दिए निर्देश

के.के.पी संवाददाता

नैनीताल। जमरानी बांध परियोजना से प्रभावित ग्रामीणों के पुनर्वास और मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को लेकर नैनीताल-ऊधमसिंह नगर के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट ने गंभीरता दिखाई है। उन्होंने कुमाऊं मंडल के आयुक्त को पत्र लिखकर प्रभावित गांवों और पुनर्वास स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कराने तथा लंबित समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है।

सांसद ने पत्र में कहा है कि विभिन्न समाचार पत्रों के माध्यम से उन्हें जानकारी मिली है कि जमरानी बांध परियोजना से प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों में पुनर्वास एवं विकास कार्यों की प्रगति संतोषजनक नहीं है। प्रभावित परिवारों को विस्थापन के साथ कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पुनर्वास की प्रक्रिया में देरी के कारण लोगों के सामने भविष्य और नई आजीविका को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि जमरानी बांध परियोजना के अंतर्गत लगभग 50 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया है तथा करीब 213 परिवारों के मकान डूब क्षेत्र से प्रभावित हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त प्रस्तावित पुनर्वास स्थल पर भी सड़क, बिजली, सुरक्षा दीवार और अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का समुचित विकास नहीं हो पाया है।

सांसद ने ग्रामीणों की समस्याओं का हवाला देते हुए कहा कि कई स्थानों पर सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त है और पुनर्वास संबंधी कार्यों में विलंब के चलते प्रभावित परिवारों की परेशानियां लगातार बढ़ रही हैं।

अजय भट्ट ने कहा कि जमरानी बांध जैसी महत्वपूर्ण परियोजना के निर्माण और विकास के साथ प्रभावित परिवारों के हितों, उनकी सुरक्षा और सम्मानजनक पुनर्वास को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। परियोजना के कारण किसी भी परिवार को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े और सभी प्रभावित ग्रामीणों को समयबद्ध तरीके से आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

उन्होंने कुमाऊं आयुक्त से पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभावित गांवों एवं पुनर्वास स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कराने, पुनर्वास कार्यों में हो रही देरी के कारणों की समीक्षा करने तथा लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने का आग्रह किया है।

डीएम के निरीक्षण के बाद बालिकाओं का विद्यालयों में कराया गया दाखिला, पढ़ाई के साथ योग, पेंटिंग और क्राफ्टिंग का भी मिल रहा प्रशिक्षण

शिक्षा से जुड़कर बालिकाओं ने देखे सुनहरे भविष्य के सपने, आत्मनिर्भर बनने की ओर बढ़ाए कदम

के.के.पी संवाददाता

पौड़ी। कोटद्वार के सिम्बलचौड़ स्थित राजकीय किशोरी संप्रेक्षण एवं पुनर्वास केंद्र में रह रही बालिकाओं के जीवन में शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से नयी उम्मीदें जग रही हैं। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया की पहल के बाद केंद्र में रह रही बालिकाओं का विद्यालयों में दाखिला कराया गया है। अब बालिकाएं नियमित रूप से स्कूल जाकर पढ़ाई कर रही हैं। किताबों से जुड़ने के साथ ही उनके मन में अपने भविष्य को लेकर नए सपने आकार लेने लगे हैं। कोई सरकारी नौकरी हासिल कर आत्मनिर्भर बनना चाहती है तो कोई देश और समाज की सेवा करने का सपना देख रही है। जिलाधिकारी ने गत 18 अक्टूबर को केंद्र का निरीक्षण कर वहां रह रहे बच्चों से संवाद किया था। इस दौरान बच्चों ने बताया कि वे विद्यालय नहीं जाते





हैं। इस पर जिलाधिकारी ने गंभीरता दिखाते हुए जिला परिवीक्षा अधिकारी को बालिकाओं का विद्यालयों में दाखिला सुनिश्चित कराने और उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के निर्देश दिए थे। जिलाधिकारी की पहल के बाद अब बालिकाओं का स्कूलों में प्रवेश हो चुका है और वे नियमित रूप से अपनी पढ़ाई कर रही हैं। केंद्र में बालिकाओं की शिक्षा के साथ उनके सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्कूली पढ़ाई के अलावा उन्हें योगाभ्यास, पेंटिंग, क्राफ्टिंग सहित विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन गतिविधियों के जरिए उनकी रचनात्मक क्षमता विकसित करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें भविष्य में आत्मनिर्भर बनने के लिए तैयार किया जा रहा है।

केंद्र की अधीक्षिका विजय लक्ष्मी भट्ट ने बताया कि बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने के साथ ही उनके कौशल विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्हें पेंटिंग, क्राफ्टिंग सहित विभिन्न गतिविधियों का नियमित प्रशिक्षण दिया जाता है। बालिकाएं इन गतिविधियों में रुचि लेकर प्रतिभाग कर रही हैं और धीरे-धीरे इनमें दक्षता हासिल कर रही हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ अर्जित किए जा रहे ये हुनर भविष्य में उनके पुनर्वास और आत्मनिर्भर जीवन की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगे। केंद्र में रह रही बालिकाओं ने बताया कि उन्हें यहां पढ़ाई जारी रखने के साथ ही अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिल रहा है।

मुख्यमंत्री धामी ने शिवराज सिंह चौहान की माताजी को दी भावभीनी श्रद्धांजलि, शोकाकुल परिवार से की मुलाकात

भोपाल/देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आवास पर पहुंचकर उनकी दिवंगत माताजी श्रीमती काशी बाई को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मुख्यमंत्री धामी ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि माता का स्नेह, आशीर्वाद और संस्कार जीवन की अमूल्य धरोहर होते हैं। माता का निधन परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने



तथा शोकाकुल परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री धामी ने पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

भोपाल। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज भोपाल में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय सुंदरलाल पटवा की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने स्वर्गीय सुंदरलाल पटवा की धर्मपत्नी से आत्मीय भेंट की और उनकी कुशलक्षेम जानी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा के योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।



मोटाहल्दू में मिठाई विक्रेता की लापरवाही ! ग्राहक को थमा दी बासी और बदबूदार मिठाई, शिकायत पर बोला- 'कोई बात नहीं, होता रहता है'

के.के.पी संवाददाता

मोटाहल्दू। त्योहारी सीजन में खाद्य पदार्थों में मिलावट और बासी खाद्य सामग्री की बिक्री रोकने के लिए जिला प्रशासन एवं खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई की चेतावनी दिए जाने के बावजूद कुछ मिठाई विक्रेता नियमों को ताक पर रखकर ग्राहकों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। ताजा मामला मोटाहल्दू का है, जहां एक चर्चित मिठाई विक्रेता पर ग्राहक को बासी और बदबूदार मिठाई बेचने का आरोप लगा है।

जानकारी के अनुसार, विगत दिवस एक ग्राहक ने मोटाहल्दू की एक मिठाई की दुकान से मिठाई खरीदी। घर पहुंचने पर मिठाई से बदबू आने और उसके बासी होने का पता चला। इस पर ग्राहक ने तत्काल फोन कर दुकानदार को इसकी जानकारी दी, लेकिन आरोप है कि



दुकानदार ने गंभीरता दिखाने के बजाय गैर-जिम्मेदाराना जवाब देते हुए कहा, 'कोई बात नहीं, होता रहता है।

दुकानदार का यह कथित रवैया खाद्य सुरक्षा और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के प्रति उसकी लापरवाही को उजागर करता है। सवाल यह है कि जब त्योहारी सीजन में खाद्य सुरक्षा विभाग मिलावटखोरों के खिलाफ कार्रवाई के दावे कर रहा है, तो आखिर ऐसे दुकानदारों के हौसले कैसे बुलंद हैं?

खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुसार खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, सुरक्षित भंडारण और पैकेजिंग पर आवश्यक जानकारी देना अनिवार्य है। इसके बावजूद यदि ग्राहकों को बासी और खराब मिठाइयां बेची जा रही हैं, तो यह गंभीर जांच का विषय है।

स्थानीय लोगों ने खाद्य सुरक्षा विभाग एवं जिला प्रशासन से मामले का संज्ञान लेकर संबंधित दुकान की जांच कराने, मिठाइयों के नमूने लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण कराने तथा दोषी पाए जाने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

अब देखना यह है कि खाद्य सुरक्षा विभाग इस मामले में कब तक कार्रवाई करता है या फिर आमजन की सेहत से खिलवाड़ करने वाले ऐसे दुकानदारों को यूं ही खुली छूट मिलती रहेगी।

आपदा में मौत पर अब मिलेंगे 8 लाख, धामी ने प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह का जताया आभार

के.के.पी संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड में प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों के लिए केंद्र सरकार ने राहत सहायता के मानकों में महत्वपूर्ण वृद्धि की है। राज्य आपदा मोचन निधि (SDRF) एवं राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि (NDRF) के अंतर्गत विभिन्न मदों में दी जाने वाली आर्थिक सहायता बढ़ाए जाने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय उत्तराखण्ड जैसे विषम भौगोलिक परिस्थितियों और आपदा की दृष्टि से संवेदनशील राज्य के लिए विशेष रूप से लाभकारी साबित होगा। इससे आपदा प्रभावित परिवारों को अधिक आर्थिक संबल मिलेगा तथा राहत, पुनर्वास और पुनर्स्थापना कार्यों को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार उत्तराखण्ड की आवश्यकताओं के प्रति सदैव संवेदनशील रही है। राज्य में अतिवृष्टि, भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से जनजीवन के साथ कृषि भूमि, फसलों, पशुधन, आवास एवं सार्वजनिक परिसंपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचता है। ऐसे में सहायता राशि बढ़ने से प्रभावित परिवारों को राहत मिलेगी। संशोधित मानकों के अनुसार आपदा में मृत्यु होने पर अनुग्रह सहायता राशि 4 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये प्रति मृतक कर दी गई है। इसमें राहत एवं बचाव कार्यों में लगे कार्मिकों को भी शामिल किया गया है। 40 से 60 प्रतिशत स्थायी दिव्यांगता पर सहायता राशि 74 हजार रुपये से बढ़ाकर 94 हजार रुपये तथा 60 प्रतिशत से अधिक स्थायी दिव्यांगता पर 2.50 लाख रुपये से बढ़ाकर 3.20 लाख रुपये की गई है। गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों के लिए भी सहायता राशि में वृद्धि की गई है। कृषि क्षेत्र में भी राहत के मानकों में बढ़ोतरी की गई है। वर्षा आधारित फसलों की क्षति पर सहायता 8,500 रुपये से बढ़ाकर 11 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर, सुनिश्चित सिंचाई वाली फसलों के लिए 17 हजार रुपये से बढ़ाकर 22 हजार रुपये तथा बारहमासी एवं बागवानी फसलों के लिए 22,500 रुपये से बढ़ाकर 30 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर कर दी गई है। भूस्खलन एवं हिमस्खलन से स्थायी रूप से क्षतिग्रस्त कृषि भूमि के लिए सहायता 47 हजार रुपये से बढ़ाकर 60 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की गई है।

पशुधन की क्षति पर बड़े पशुओं के लिए सहायता 37,500 रुपये से बढ़ाकर 50 हजार रुपये प्रति पशु तथा छोटे पशुओं के लिए 4 हजार रुपये से बढ़ाकर 5,100 रुपये प्रति पशु कर दी गई है। मुर्गीपालन, मत्स्य पालन और पशुओं के चारे के लिए निर्धारित सहायता मानकों में भी वृद्धि की गई है। आवासीय भवनों की क्षति के मामलों में मैदानी क्षेत्रों में पूर्णतः क्षतिग्रस्त मकान के लिए सहायता 1.20 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.60 लाख रुपये तथा पर्वतीय एवं दुर्गम क्षेत्रों में 1.30 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.70 लाख रुपये प्रति मकान की गई है। आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों, झोपड़ियों और पशुशालाओं के लिए भी सहायता राशि बढ़ाई गई है।

संपादकीय

संविधान से ऊपर कोई नहीं, नियम और कानून चुनाव आयोग पर भी लागू

लोकतंत्र में चुनाव आयोग की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील होती है। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराना उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। चुनाव आयोग को यह अधिकार इसलिए दिया गया है, वह सरकार, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के दबाव से मुक्त रहकर चुनाव प्रक्रिया संचालित करे। जब कोई संवैधानिक संस्था अपनी शक्तियों की सीमाओं को भूलकर स्वयं ही नियम बनाने, बदलने और लागू करने लगे, तब उसके अधिकारों और जवाबदेही पर सवाल उठना स्वाभाविक है। अगले वर्ष पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के पहले केंद्रीय चुनाव आयोग ने गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्य सचिवों तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के आचार संहिता नियमों में परिवर्तन किया है। नियमों में जो परिवर्तन किया गया है, उसका कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गये हैं। सेवानिवृत्ति के बाद दोबारा नियुक्त सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के राजनीतिक दलों अथवा उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार करने तथा चुनाव अधिकारियों के साथ बैठकों और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में भाग लेने पर रोक लगाई गई है। इस आदेश ने एक नई संवैधानिक बहस तेजी से शुरू कर दी है। सरकार के विभिन्न विभागों, आयोगों और संस्थानों में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों को दोबारा नियुक्त किया जाता है। इस सरकार में सेवानिवृत्ति के बाद सबसे ज्यादा कर्मचारियों की फौज है। सेवानिवृत्ति के बाद उनकी राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों पर कौन-सी कानूनी पाबंदियां लागू होंगी, यह संबंधित सेवा नियमों और कानूनों से निर्धारित होता है। चुनाव आयोग चुनाव की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए निर्देश अवश्य दे सकता है, क्या उसे मौजूदा कानूनों और सेवा नियमों से आगे जाकर नई पाबंदियां लगाने का अधिकार है? इसको लेकर नया बवाल शुरू हो गया है।

संविधान के अनुच्छेद 324 के अंतर्गत चुनाव आयोग को चुनावों के संचालन और नियंत्रण की जिम्मेदारी दी गई है। इसका अर्थ यह नहीं है, आयोग संसद द्वारा बनाए गए कानूनों और संविधान की सीमाओं से स्वतंत्र होकर मनमाने तरीके से काम का अधिकार रखता है। चुनाव आयोग की शक्तियां भी संवैधानिक और कानूनी मर्यादाओं के अधीन हैं। यदि किसी नए प्रतिबंध के लिए कानून या नियम में संशोधन आवश्यक है, तो निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन चुनाव आयोग द्वारा किया जाना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में चुनाव प्रक्रिया, निर्वाचन अधिकारियों के अधिकारों, चुनावी आंकड़ों और आयोग के पोर्टल तथा सॉफ्टवेयर के संचालन को लेकर भी अनेक सवाल उठे हैं। विभिन्न राज्यों में अलग-अलग व्यवस्थाओं और नियमों को लेकर पारदर्शिता की मांग सभी राजनीतिक दलों द्वारा की जा रही है। ऐसे समय में आयोग की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। वह प्रत्येक निर्णय का कानूनी आधार सार्वजनिक करे, उठाए गए सवालों का तथ्यों के साथ जवाब दे। चुनाव आयोग की स्वतंत्रता लोकतंत्र की ताकत है। स्वतंत्रता का अर्थ जवाबदेही से मुक्ति नहीं है। यदि किसी संवैधानिक संस्था के निर्णयों की समीक्षा और उनके औचित्य पर सवाल उठने लगे तो लोकतंत्र की व्यवस्था कमजोर होना तय है। लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास कम या खत्म होने लगता है। आज सबसे बड़ा सवाल यही है, चुनाव आयोग को नियमों का पालन कराने वाली संस्था बने रहना है, या स्वयं नियमों से ऊपर समझने वाली संस्था बनना है। गणेश भगवान की तरह प्रथम पूजनीय होने का अर्थ यह नहीं है, कोई संस्था संविधान से ऊपर जाकर अपनी पूजा कराने लगे। लोकतंत्र में संसद, न्यायपालिका, कार्यपालिका और चुनाव आयोग सभी की अपनी-अपनी संवैधानिक सीमाएं हैं।

क्या ऐसे होंगे हिन्दू राष्ट्र के सूत्रधार ?

निर्मल रानी

इन दिनों सत्ता,गोदी मीडिया व सोशल मीडिया द्वारा सुनियोजित तरीक़े से प्रचारित कर जनता पर थोपे गये बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अपने विवादित बयानों को लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं।परन्तु इसबार उनके मुंह से जिस तरीक़े से भगवान श्री कृष्ण को लेकर अपमानजनक बातें की गयीं और उनका मज़ाक़ उड़ाया गया और जिन शब्दों व जिस अंदाज़ में पेश किया गया वह उनके क्षमा मांगने के बावजूद अक्षम्य है। ग़ौरतलब है कि धीरेंद्र शास्त्री ने मध्य प्रदेश के शिवपुरी ज़िले में एक कथा के दौरान भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप व मुद्रा की तुलना करते हुये कहा कि हमारे वाले श्रीराम बिल्कुल सीधे खड़े होते हैं, जबकि तुम्हारे वाले श्रीकृष्ण की मुद्रा और चाल टेढ़ी होती है। उन्होंने कृष्ण के बांसुरी बजाने को बच्चों का खेल और धनुष-बाण चलाने को बड़ी बात बताया। उन्होंने हमारे वाले राम और उनके वाले कृष्ण जैसी शब्दावली का प्रयोग कर सनातन धर्म में जातिवाद की लकीर खींचने का भी दुष्प्रयास किया। धीरेंद्र शास्त्री के इस बयान पर देशभर के संतों,नेताओं, कृष्ण भक्तों और यादव समाज ने कड़ी आपत्ति जताई। तभी मौक़े की नज़ाकत को भांप कर इस लंपट ने क्षमा मांगने में ही अपनी भलाई समझी। उसके आलोचकों का आरोप है कि ऐसे बयान से भगवान कृष्ण का उपहास उड़ाया गया है। इस मामले में आगरा की सिविल कोर्ट में उसके ख़िलाफ़ एक आपराधिक मानहानि की शिकायत भी दर्ज कराई गई।

इसी विवाद के बीच पिछले दिनों रायपुर में आयोजित एक कथा के दौरान शास्त्री ने सनातनियों से एकजुट होने की अपील करते हुये नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रसिद्ध नारे तुम मुझे ख़ून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा की तर्ज़ पर एक नया नारा दिया है। धीरेंद्र शास्त्री का नारा है- तुम मेरा साथ दो, मैं हिंदू राष्ट्र बनाऊंगा। परन्तु सवाल यह है कि क्या हमारे राम और तुम्हारे कृष्ण जैसी दुर्भावनापूर्ण बातें कर समाज में फूट डलवाने की कुचेष्टा करने वाला व्यक्ति भी हिन्दू राष्ट्र का सूत्रधार बनने का सपना देख सकता है ? इसके द्वारा भरी सभा में अपने भक्तों के बीच की गयी बकवास की सूची बहुत लंबी है। कभी यह ग्रेटर नोएडा में आयोजित एक भागवत कथा के दौरान महिलाओं के पहनावे और श्रृंगार को लेकर कहता है कि जिस महिला की मांग में सिंदूर और गले में मंगलसूत्र न हो, उसे ख़ाली प्लॉट समझा जाए। इसके साथ ही इस ने ब्यूटी पार्लर जाने वाली महिलाओं पर भी तंज़ कसते हुए कहा था कि वे काले जामुन पर फ़ाउंडेशन लगा देती हैं। उसका यह बयान काफ़ी चर्चा में रहा। सोशल मीडिया और महिला संगठनों द्वारा इस बयान की तीखी आलोचना भी की गई थी। आलोचकों ने इसे पितृसत्तात्मक, स्त्री-विरोधी और महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला बयान बताया था। एक अन्य कथा के दौरान रामायण के प्रसंगों की व्याख्या करते हुए उसने व्यास मंच से कहा था कि विश्वास करना मुश्किल है, लेकिन श्री राम जी के पांच पिता थे। इस बयान की क्लिप वायरल होने के बाद सनातन धर्म के कई जानकारों ने इस पर सवाल उठाए। हालांकि, बाद में इसकी ओर से यह सफ़ाई दी गयी कि उसका आशय जैविक पिताओं से नहीं, बल्कि रामायण के राजा दशरथ, राजा जनक, जटायु, सुग्रीव जैसे उन पांच चरित्रों से था जिन्हें प्रभु राम ने पिता तुल्य सम्मान या दर्जा दिया था। परन्तु आलोचकों का कहना था कि व्यास पीठ से शब्दों का चयन अधिक ज़िम्मेदारी से होना चाहिए। इसी तरह अप्रैल 2026 में नागपुर में एक धार्मिक सभा के दौरान शास्त्री ने आधुनिक जीवनशैली और पारिवारिक मूल्यों को लेकर एक वक्तव्य दिया। उस ने टिप्पणी की थी कि आजकल कुलीन या अमीर परिवारों की महिलाएं भी शराब पीने लगी हैं, और ऐसी आदतें बच्चों के पालन-पोषण को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं। इस बयान पर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर प्रतिक्रियाएं आईं थीं । कांग्रेस नेताओं सहित कई विपक्षी महिला नेताओं ने इसे महिलाओं का अपमान बताते हुए सार्वजनिक मुआफ़ी की मांग की थी और विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी थी।

हिन्दू राष्ट्र के इसी स्वयंभू सूत्रधार ने एक बार सार्वजनिक मंच से कहा था कि हिंदू परिवारों को तीन से चार बच्चे पैदा करने चाहिए और उनमें से एक बच्चे को राष्ट्र व धर्म की सेवा के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या बजरंग दल को समर्पित कर देना चाहिए। इस बयान को आलोचकों और विपक्षी दलों द्वारा अत्यधिक राजनीतिक और समाज में ध्रुवीकरण बढ़ाने वाला माना गया था। अपने भक्तों को सरे आम पागल कहकर संबोधित करने वाला यह व्यक्ति प्रयागराज संगम में भगदड़ में अपनी जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं है कि गंगा किनारे मरने वाला मरता नहीं बल्कि मोक्ष पाता है तो कभी मछली खाने वाले बंगालियों को राक्षस व विधर्मी बता कर विवाद खड़ा कर देता है। कभी कहता है कि संत तुकाराम की पत्नी रोज़ उन्हें डंडे से मारती थी तो कभी करवा चौथ का नाम ख़सम पूजन दिवस रख कर इस व्रत का मज़ाक़ उड़ाता है। कभी कहता है कि लोधियों के डी एन ए में गड़बड़ है इसलिए वे मेरे विरोधी हैं तो कभी कहता है कि मुसलमानों के पास अली हैं तो हमारे पास बजरंगबली हैं। ऐसे घटिया व विवादित बयानों के अलावा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अपने दरबार में लोगों की पर्ची निकालने , भूत-प्रेत भगाने और बिना मेडिकल टेस्ट के बीमारियां ठीक करने के दावे भी करता है जिसे लेकर वैज्ञानिक व कानूनी विवाद हो चुका है। एक बार तो अखिल भारतीय अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति ने नागपुर में उसके दावों को चुनौती दी और ?3 लाख इनाम की चुनौती रखी। परन्तु शास्त्री ने यह चुनौती स्वीकार नहीं की। समिति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि धर्म की आड़ में अंधविश्वास और जादू-टोने को बढ़ावा देकर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। थोथी लोकप्रियता हासिल करने के लिये भले ही यह व्यक्ति हिन्दू-मुस्लिम व हिन्दू राष्ट्र का राग अलापता रहता हो परन्तु धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपने कई इंटरव्यू में खुद बताया है कि जब उस का परिवार अत्यधिक आर्थिक तंगी से गुज़र रहा था, तब उनकी सगी बहन की शादी के समय शेख़ मुबारक नाम के उनके एक घनिष्ठ मुस्लिम मित्र ने उसे 20,000 रूपये देकर आर्थिक सहायता की थी। सवाल यह है कि क्या ऐसी घटिया,द्वेषपूर्ण मानसिकता रखने वाले व समाज में धर्म व जातियों यहाँ तक कि भगवानों में अंतर पैदा करने व अंधविश्वास को बढ़ावा देने वाले इसी तरह के सत्ता प्रायोजित नफ़रती लोग ही हिन्दू राष्ट्र के सूत्रधार होंगे?

सोनिया गांधी की आत्मकथा के अनुत्तरित सवाल

सुरेन्द्र शर्मा

सोनिया गांधी की हाल ही में प्रकाशित आत्मकथा BelongingÑ A Journey of Love आजकल ज्यादा ही चर्चा में हैं, अगर कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं की बात करें तो मानो उन्हें कोई जीवन दृष्टि प्रदान करने वाला ग्रंथ मिल गया हो और यह प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक भी क्योंकि कांग्रेस का चुंबकत्व ही गांधी परिवार है गांधी परिवार के अस्तित्व के बिना कांग्रेस की एकजुटता की कल्पना करना भी बेमानी है।

पुस्तक में सोनिया जी ने अनेक बातें बड़ी बेवकी से लिखी हैं जैसे उनके पिता का मुसोलिनी की सेना का अंग होना, जिसके लिये सामान्य प्रचलन में फासिस्ट शब्द का इस्तेमाल होता है. सोनिया गांधी अपनी आत्मकथा में विस्तार से और गर्व से बताती हैं कि उनके पिता मुसोलिनी की फासिस्ट फौज में अफसर थे. उन्होंने लिखा है

पिता सर्जेंटे माज्जोरे (सार्जेंट मेजर) थे। वे इतालवी सेना की बर्सालियेरी रेजिमेंट में थे। यह एक बेहद कठोर और युद्ध का लंबा अनुभव रखने वाली सैन्य टुकड़ी थी, जिसकी तुलना अमेरिका के ग्रीन बेरेट्स से की जा सकती है। वे रूस अभियान के अनुभवी सैनिक थे।बेनितो मुसोलिनी ने जब जर्मन सेना के साथ मिलकर लड़ने के लिए इतालवी सैनिकों को रूस भेजा था, तब वे भी वहाँ गए थे। 1943 के अंत में जब उनकी उम्र 26 वर्ष थी। उस समय इतालवी सेना हार चुकी थी और सैनिकों ने पीछे हटना शुरू कर दिया था। इतिहास में कई बार ऐसा हुआ है कि रूस की भीषण ठंड ने दुश्मन सेनाओं पर कहर बरपाया है। इस बार भी रूसी सर्दी, जिसे 'जनरल विंटर' कहा जाता है, पीछे हट रहे सैनिकों पर भारी पड़ी। उस अभियान की असहनीय कठिनाइयाँ पहले ही उनके लिए एक आघात थीं। लेकिन अपमानजनक ढंग से पीछे हटने का अनुभव किसी दुःस्वप्न से कम नहीं था। उनकी सैन्य टुकड़ी के केवल कुछ ही सैनिक जीवित लौट पाए थे। उनके साथी उन्हें यूँ ही माइनो इल लियोने यानी 'माइनो शेर' नहीं कहते थे। वे अपने साथियों के बीच बेहद लोकप्रिय थे ....

यद्यपि सोनिया जी ने अपने पिताजी के युद्ध कौशल का वर्णन किया है लेकिन इस सच को भी स्वीकार किया है कि वह एक फासिस्टवादी सेना का हिस्सा थे।

सोनिया गाँधी जी ने इस पुस्तक में वह सच छुपाया है जिसे देश के कानून के जानकार बहुत अच्छी तरह से जानते हैं वर्ष 2004 में अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व वाली राजग सरकार को बहुमत नहीं मिला कांग्रेस 145 सीट लेकर भाजपा से केवल 7 सीटें ज्यादा थी भाजपा को 138 सीटें मिली थीं। कांग्रेस के नेतृत्व में संप्रग (UPA) की सरकार बनाने का निर्णय होता है।

स्वाभाविक है कि प्रधानमंत्री सबसे बड़े दल यानी कांग्रेस से बनना था। कांग्रेस के सभी नेता सोनिया गाँधी जी से पद स्वीकार करने का आग्रह करते हैं। कांग्रेस नेताओं के दबाव के बीच वह क्षण भर के लिए सहमति देती हैं,विपक्ष इस पर अपना विरोध जताता है फिर उनकी और भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति ए पी जी अब्दुल कलाम की मुलाकात होती है और वह अपना फैसला बदलती हैं और डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बनते हैं। सोनिया जी इस किताब में राष्ट्रपति जी से उनकी मुलाकात के विवरण पर मौन रही हैं।

वरिष्ठ नेता सुब्रमण्यम स्वामी जी के अनुसार सोनिया जी चाहती थीं कि वह भारत की प्रधानमंत्री बनें लेकिन भारत का एक कानून जिसके अनुसार विदेश में जन्मा कोई व्यक्ति भारत का राष्ट्रपति या प्रधान मंत्री नहीं बन सकता उसके कारण ही वह भारत की प्रधानमंत्री नहीं बन सकीं लेकिन कांग्रेस के नेताओं के द्वारा उन्हें त्याग की देवी कह कर प्रचारित किया गया जबकि वास्तविकता कुछ और थी ।2004 के बाद के दौर को पुस्तक में सरसरी तौर पर समेटा गया है। जिस समय लेखिका का राजनीतिक प्रभाव सबसे अधिक था, उसी समय का सीमित विवरण इस आत्मकथा की सबसे बड़ी कमी है। सोनिया जी का राष्ट्रीय सलाहकार समिति का अध्यक्ष बनना और एक सुपर प्राइम मिनिस्टर की उनकी भूमिका को सारा देश जानता है , उस समय सोनिया जी की भूमिका इतनी पावर फुल थी कि प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी के राजनैतिक सलाहकार रहे संजय बारू ने अपनी पुस्तक का शीर्षक ही द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर रखा है। लोकतांत्रिक जवाबदेही की दृष्टि से 2004 के बाद की सोनिया गाँधी जी की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री, कांग्रेस अध्यक्ष, राष्ट्रीय सलाहकार परिषद और गठबंधन सहयोगियों की भूमिकाएँ व्यवहार में कैसे तय होती थीं? किन मुद्दों पर पार्टी और सरकार की प्राथमिकताएँ अलग थीं? ऐसे मतभेदों में सोनिया गांधी ने कब हस्तक्षेप किया और कब फैसला प्रधानमंत्री पर छोड़ा? किसी एक बड़े नीतिगत निर्णय की पूरी कहानी भी इन संबंधों को समझने में मदद नहीं करती। उपलब्ध पुस्तक में 2004 के फैसले के पीछे की मंशा जितनी स्पष्ट लिखी गई है, उसके बाद सत्ता के इस्तेमाल का ब्यौरा उतना ही सीमित है। इस पुस्तक में एक और कमी दिखाई देती है वह वोफर्स पर सीमित शब्दों का चयन,यह खटकता है ।राजीव गांधी के जीवन और राजनीतिक संघर्ष पर विस्तार से लिखी गई पुस्तक में बोफोर्स विवाद की सीमित चर्चा खटकती है। यह किताब इस प्रसंग को सरसरी तौर पर लेती है। उस समय आरोप सामने आने पर राजीव गांधी अपने सहयोगियों की सलाह को कैसे देखते थे? विवाद बढ़ने के साथ कांग्रेस की प्रतिक्रिया में क्या बदलाव आया? पीछे मुड़कर देखने पर सोनिया गांधी को उस प्रतिक्रिया में कौन-सी गलती दिखाई देती है? ऐसे सवालों पर उनका अपना अनुभव उस दौर के राजनीतिक इतिहास में कुछ नया जोड़ सकता था।

आखिर अमिताभ बच्चन ने लोकसभा से क्यों स्तीफा दिया ,बोफोर्स में दलाली के जिन पर आरोप लगे उन ऑक्टोवियो क्वात्रोची का जिक्र है ही नहीं ,जबकि सोनिया गांधी और राजीव गांधी के राजनीतिक सफर में क्वात्रोची की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है । क्वात्रोची की बजह से ही राजीव गांधी की मिस्टर क्लीन वाली छवि खत्म हो गई और उन्हें भी मिस्टर 20% कहा जाने लगा जिस वक्त पाकिस्तान की मीडिया पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के पति आसिफ अली जरदारी को मिस्टर 10% कह रही थी उस जमाने में भारत की मीडिया भी राजीव गांधी को मिस्टर 30% कहने लगी। ऑक्टोवियो क्वात्रोची सोनिया गांधी के बचपन के दोस्त थे सोनिया गांधी भारत आई तो उन्हें भी सोनिया गांधी जी ने भारत बुला लिया था वह दिल्ली में लुटियंस जोन में एक विशाल बंगले में रहते थे । राजीव गाँधी जी के प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान आईएनएस विराट की एक पार्टी का चर्चा अक्सर मीडिया के गलियारों में होती है जिसमें इटली के लोग समुद्र में पार्टी कर रहे थे और उसे वक्त आईएनएस विक्रांत को ड्यूटी से हटकर पार्टी के लिए रखा गया था तब उस पार्टी में क्वात्रोची भी अपने परिवार के साथ मौजूद थे

ऑक्टोवियो क्वात्रोची भारत के सभी सरकारी ऑफिस में बेरोकटोक जाते थे बड़े-बड़े प्रमुख सचिव और सचिव अ

स्तर के अधिकारी उनको प्रणाम करते थे केबिनेट मंत्री तो देखते ही उनके कदमों में सजदा करने लगते थे यह बात खुद राजीव गांधी सरकार में मंत्री रहे अरुण नेहरू और विश्वनाथ प्रताप सिंह ने उस दौर में लगातार कही है। जैसे ही बोफोर्स घूस का खुलासा स्वीडिश रेडियो ने किया उसके बाद पहले आरोपी विन चड्ढा को पकड़ा गया और उसने क्वात्रोची का नाम लिया और क्वात्रोची के अकाउंट में उसे जमाने में 800 करोड रुपए ट्रांसफर होने का खुलासा हुआ

फिर रातों रात ऑक्टोवियो क्वात्रोची अपने परिवार के साथ भारत से फरार हो गए

हिंदू मुस्लिम हुआ पुराना अब राम कृष्ण का जमाना, 2027 है निशाना



सचिन तिवारी की कलम से -

भारत का सामाजिक और राजनीतिक इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि आस्था और पहचान के संवेदनशील मुद्दों को समय-समय पर जनमानस को प्रभावित करने और वैचारिक ध्रुवीकरण के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। एक दौर वह था जब संवाद की गति धीमी थी; किसी भी अफवाह, मनगढ़ंत विवाद या दुर्भावना को फैलने में समय लगता था और समाज के समझदार वर्ग को स्थिति संभालने का अवसर मिल जाता था। परंतु आज की डिजिटल क्रांति और सोशल मीडिया के युग में संकीर्ण राजनीतिक अथवा वैचारिक चिंगारी को पल भर में दावानल बना दिया जाता है। एक भ्रामक संदेश या वीडियो कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों की जेब तक पहुँचकर उत्तेजना और विभाजन का माहौल तैयार कर देता है।

विडंबना यह है कि आज समाज में ऐसे कृत्रिम विवाद खड़े किए जा रहे हैं जिनकी कल्पना भी कभी भारतीय सनातन परंपरा में नहीं की जा सकती थी। राम और कृष्ण—जो एक ही चेतना, एक ही संस्कृति और एक ही सत्य के दो अभिन्न स्वरूप हैं—उन्हें भी अब आमने-सामने खड़ा कर खेमों में बाँटने का दुर्भाग्यपूर्ण प्रयास दिखता है। भारतीय दर्शन में राम यदि मर्यादा, धर्म और समरसता की पराकाष्ठा हैं, तो कृष्ण कर्मयोग, निष्काम भाव और जीवन के पूर्ण तत्वदर्शन के प्रतीक हैं। इन दोनों के बीच प्रतिद्वंद्विता देखना या दिखाना केवल वैचारिक दरिद्रता ही नहीं, बल्कि जनभावनाओं के साथ एक सोचा-समझा खिलवाड़ है।

इससे भी बड़ा विरोधाभास और ताज्जुब इस बात का है कि जो लोग आज सड़कों पर उतरकर या इंटरनेट के मंचों पर श्री कृष्ण के नाम पर तीखे विमर्श चला रहे हैं और खुद को उनके सबसे बड़े पैरोकार के रूप में पेश कर रहे हैं, उनकी वैचारिक निष्ठा ज़मीनी स्तर पर पूरी तरह खोखली नजर आती है। कृष्ण जन्मभूमि की अस्मिता और उसकी मुक्ति का संघर्ष जब दशकों से शांतिपूर्ण, न्यायिक और सामाजिक स्तर पर चला आ रहा था, तब यह कथित आस्थावान वर्ग कहीं दिखाई नहीं देता था। धर्म और संस्कृति के वास्तविक सरोकारों, उनके संरक्षण और मूल मर्यादाओं के लिए त्याग करने के समय चुप्पी साधने वाले लोग जब अचानक किसी मुद्दे को लेकर आक्रामक मुद्रा में सामने आते हैं, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि उनका उद्देश्य आस्था का सम्मान नहीं, बल्कि तात्कालिक लाभ और समाज को उलझाए रखना है।

जब तक आम नागरिक यह नहीं समझेगा कि धर्म आत्ममंथन, चरित्र निर्माण और समाज को जोड़ने का साधन है न कि सड़क पर एक-दूसरे से टकराने का हथियार, तब तक इस तरह के कृत्रिम विवाद बनते रहेंगे। विवेकशील समाज की पहचान यही है कि वह यह पहचाने कि कब उसकी आस्था का सम्मान हो रहा है और कब उसकी भावनाओं का इस्तेमाल किसी संकीर्ण मंसूबे के लिए किया जा रहा है। राम और कृष्ण की असली आराधना उनके आदर्शों, न्याय और सत्य के पथ पर चलने में है, न कि उनके नाम पर लकीरें खींचकर समाज को बाँटने में।

जलवायु संकट का असली चेहरा : किसकी जिंदगी, किसकी आजीविका

कुमार कृष्णन

जलवायु परिवर्तन की सबसे भयावह तस्वीर केवल पिघलते हिमखंडों, सूखती नदियों या जंगलों में लगी आग में नहीं दिखती। वह उस मजदूर के शरीर पर भी दर्ज होती है, जो दोपहर की झुलसाती धूप में काम करने को मजबूर है; उस किसान की चिंता में भी, जिसकी फसल मौसम की अनिश्चितता से जूझ रही है; और उस बुजुर्ग की सांसों में भी, जिसके लिए बढ़ती गर्मी अब महज असुविधा नहीं, जानलेवा खतरा बनती जा रही है। धरती का बढ़ता तापमान अब केवल पर्यावरण का सवाल नहीं है। यह स्वास्थ्य, रोजगार, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक न्याय का संकट है। असली सवाल है कि गर्म होती धरती पर सबसे पहले किसका जीवन और किसकी आजीविका संकट में पड़ रही है?

तुर्किये के अंताल्या में 9 से 20 नवंबर 2026 तक आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन कॉप-31 इसी सवाल की कसौटी है। दुनिया के देश इस सम्मेलन में उत्सर्जन में कटौती, जलवायु अनुकूलन, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहयोग पर विचार कर रहे हैं। जलवायु अनुकूल शहर, खाद्य सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और आपदाओं का सामना करने में सक्षम स्वास्थ्य प्रणालियां भी इसकी प्राथमिकताओं में हैं। लेकिन इस वैश्विक विमर्श की सबसे बड़ी चुनौती है कि जलवायु परिवर्तन से प्रभावित आम लोगों की जिंदगी को नीतियों और समझौतों के केंद्र में कैसे लाया जाए।

कॉप-31 में भारत का उद्घाटन वक्तव्य इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। भारत ने जलवायु बहुपक्षवाद और समानता तथा साझा लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियों एवं संबंधित क्षमताओं यानी सीबीडीआर-आरसी के सिद्धांत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव नरेंद्र भूषण ने भारत का पक्ष रखते हुए निष्पक्ष, न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी परिणाम का आह्वान किया। भारत ने जी-77 और चीन, एलएमडीसी तथा बेसिक समूहों के वक्तव्यों के साथ अपनी सहमति जताई। उसने संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय और पेरिस समझौते को ऐसा समावेशी मंच बताया, जहां प्रत्येक देश की आवाज सुनी जा सकती है। भारत ने सम्मेलन की अध्यक्षता के लिए तुर्किये और ऑस्ट्रेलिया के प्रयासों की सराहना करते हुए संवाद, आम सहमति और कार्रवाई पर आधारित कार्यान्वयन-केंद्रित दृष्टिकोण का स्वागत किया। यह दृष्टिकोण इसलिए महत्वपूर्ण है कि जलवायु वार्ताओं में घोषणाओं और जमीन पर वास्तविक कार्रवाई के बीच अक्सर लंबी दूरी दिखाई देती है। संवाद से विश्वास पैदा होता है, आम सहमति से सामूहिक जिम्मेदारी तय होती है और कार्रवाई से वादे वास्तविक प्रगति में बदलते हैं। लेकिन इनकी सार्थकता तभी है, जब जलवायु संकट का सामना कर रहे कमजोर समुदायों तक उसका लाभ पहुंचे।

वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य गंभीर दबाव में है। इसके पार जाने की आशंका केवल पर्यावरणीय असंतुलन का संकेत नहीं है। इससे गर्मी, सूखा, बाढ़ और चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ेगा। ऐसे में समानता का महत्व और बढ़ जाता है। जिन देशों का ऐतिहासिक उत्सर्जन में योगदान अपेक्षाकृत कम रहा है, वे अक्सर जलवायु परिवर्तन के गंभीर परिणाम झेल रहे हैं। इसलिए सभी देशों से समान प्रकार की जिम्मेदारी निभाने की अपेक्षा न्यायसंगत नहीं हो सकती। जलवायु न्याय का तकाजा है कि जिम्मेदारियों का निर्धारण ऐतिहासिक उत्सर्जन, आर्थिक क्षमता और विकास संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखकर हो। लैंसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज की रिपोर्ट संकट की मानवीय कीमत सामने रखती है। इसके अनुसार, 2016 से 2025 के दौरान गर्मी से संबंधित वार्षिक मौतों में लगभग 36 प्रतिशत वृद्धि हुई। वर्ष 2023 में दुनिया भर में गर्मी से जुड़ी करीब 7.1 लाख मौतों का अनुमान लगाया गया, जिनमें 70 प्रतिशत से अधिक मौतें मानवजनित जलवायु परिवर्तन से बढ़े तापमान से जुड़ी थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में दुनिया की 60.7 प्रतिशत भूमि पर कम-से-कम एक महीने तक अत्यधिक सूखे की स्थिति रही। यह 1951-1960 के औसत से 299 प्रतिशत अधिक थी। सूखा केवल पानी की कमी नहीं पैदा करता, बल्कि खेती, पेयजल, पोषण और ग्रामीण आजीविका को भी प्रभावित करता है। भारत में इस संकट की आर्थिक और सामाजिक कीमत विशेष रूप से गंभीर है। लैंसेट काउंटडाउन की 2025 की भारत-विशिष्ट रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में अत्यधिक गर्मी के कारण देश में 247 अरब संभावित श्रम घंटे नष्ट हुए। इनमें लगभग दो-तिहाई नुकसान कृषि क्षेत्र और करीब पांचवां हिस्सा निर्माण क्षेत्र से जुड़ा था। गर्मी के कारण काम करने की क्षमता में आई कमी से संभावित आय का नुकसान 194 अरब अमेरिकी डॉलर आंका गया। यह वास्तविक वेतन कटौती नहीं, बल्कि प्रभावित श्रम क्षमता की अनुमानित आर्थिक कीमत है। फिर भी यह आंकड़ा बताता है कि गर्मी का संकट अर्थव्यवस्था के सबसे कमजोर श्रम समूहों को किस हद तक प्रभावित कर रहा है। इन आंकड़ों के पीछे उन परिवारों की कहानी है, जिनकी आमदनी घटती है, बचत इलाज में खर्च होती है और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। दिहाड़ी मजदूर के लिए तेज गर्मी में काम रोकना आसान नहीं है। काम छोड़े तो कमाई बंद, जारी रखे तो निर्जलीकरण, लू और तापाघात का खतरा। उसके सामने कई बार स्वास्थ्य और भूख के बीच चुनाव करने की मजबूरी होती है। वातानुकूलित दफ्तर में काम करने वाले व्यक्ति और खुले आसमान के नीचे सड़क बनाने वाले मजदूर के लिए एक ही तापमान का अर्थ अलग-अलग है। रिक्शा चालक, रेहड़ी-पटरी विक्रेता, निर्माण मजदूर और खेतिहर श्रमिकों के पास गर्मी से बचने के पर्याप्त साधन नहीं होते। जलवायु संकट पहले से मौजूद आर्थिक असमानता को और गहरा करता है। बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और पहले से बीमार लोगों के लिए अत्यधिक गर्मी विशेष खतरा पैदा करती है। लैंसेट काउंटडाउन के अनुसार, 2021 से 2025 के दौरान भारत में 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों में गर्मी से संबंधित मौतों का वार्षिक आर्थिक मूल्य 33.8 अरब डॉलर आंका गया। यह 2000-2004 की तुलना में 205 प्रतिशत अधिक था। जीवन और मानवीय पीड़ा को आर्थिक मूल्य में पूरी तरह नहीं आंका जा सकता, लेकिन ये आंकड़े स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने खड़ी चुनौती का पैमाना जरूर बताते हैं।

जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण का संबंध भी गंभीर है। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों के इस्तेमाल से हरितगृह गैसों का उत्सर्जन बढ़ता है और वायु प्रदूषण भी पैदा होता है। इसका असर सांस संबंधी बीमारियों और हृदय रोगों के रूप में सामने आता है। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव केवल जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने का उपाय नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की जरूरत भी है। हालांकि ऊर्जा परिवर्तन की कीमत गरीब और विकासशील देशों पर डालना उचित नहीं होगा। उन्हें आवश्यक वित्तीय और तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराना विकसित देशों की जिम्मेदारी है। भारत ने कॉप-31 में जलवायु वित्त के इसी पक्ष को प्रमुखता दी है। उसका कहना है कि विकासशील देशों में जलवायु कार्रवाई को बढ़ावा देने और उनकी कमजोरियों को दूर करने के लिए विकसित देशों से मिलने वाला सार्वजनिक वित्त केंद्रीय भूमिका निभाता है।



इन दिनों गोवा के होटल में एक हत्या सुर्खियों में है। होटल में जिसकी हत्या हुई और जो गिरफ्तार हुआ, दोनों की पहचान सामने आने से हर कोई हैरान रह गया। इस हत्या का आरोप एक मां पर लगा है। आरोप है कि सूचना सेठ नाम की एक महिला ने अपने 4 साल के बच्चे की हत्या कर दी है। दरअसल, अपने पति वेंकेट रमण से अलग होने के बाद बच्चे की कस्टडी को लेकर लड़ाई चल रही थी। इसी बीच कोर्ट ने पिता को बच्चे से मिलने की परमिशन दे दी। इस बात से सूचना सेठ काफी परेशान थी। इसी कारण उसने बच्चे की हत्या कर दी। इसके बाद से एक मां का बच्चे के साथ व्यवहार और क्रूरता को लेकर कई तरह के सवाल खड़े होते हैं। कुछ मां ऐसी होती हैं जिन्हें शायद अपने बच्चों की मासूमियत भी नहीं समझ आती है। जरूरत इस बात की है कि अपने गुस्से को कंट्रोल कर बच्चे की मासूमियत को एंज्वॉय करना चाहिए। आज हम आपको बच्चे की परवरिश के साइकोलॉजिकल टिप्स के बारे में बताएंगे।

बच्चों पर ज्यादा गुस्सा आए तो क्या करें

कई बार पेरेंट्स बच्चों की हरकतों से परेशान होकर उन्हें डांट देते हैं। पर हर बार आपका बच्चा गलत ही हो ये जरुरी नहीं। दरअसल, कभी-कभी आपको चाहिए कि आप अपने बच्चों की बातो को भी सुनें और समझें। अपने काम से थोड़ा फ्री होकर उनके साथ भी वक्त बिताएं। बच्चों को भी ये लगना चाहिए कि उनके मां-बाप उनकी बातों को समझते हैं। ऐसा करने से आपके बच्चे की बिहेवियर में सुधार भी आएगा।

अपने गुस्से और इमोशन्स पर करें कंट्रोल

अगर आपको कभी आपके बच्चे पर गुस्सा आता है, तो आपको कंट्रोल करना चाहिए। ऐसा करने से बच्चे के दिमाग पर गलत प्रभाव पड़ता है। हो सकता है कि बच्चा आपसे डरने लगे और आपसे बात करना बंद कर दे। इसलिए जरुरी है कि बच्चों की नादानी को उनका मासूमियत समझकर अपने गुस्से पर नियंत्रण रखें।

अच्छे-अच्छे एग्जाम्पल दिखाएं

अपने बच्चे को अच्छी आदतों का उदाहरण देकर समझाएं। गलत चीजों के ऊपर डांटने की जगह अगर आप उन्हें सही आदतों के बारे में समझाएंगे तो शायद उनके दिमाग में पोजिटिविटी आएगी। साथ ही, आपको बच्चों के व्यवहार में काफी कई सारे नए बदलाव भी नजर आएंगे।

सही समय पर करें बात

बच्चे जब ज्यादा जिद्द करने लगे तो उन्हें बड़े ध्यान से हैंडल करना होता है। उनको समझाने के लिए बच्चों के मूड के अनुसार सही समय का इंतजार करें। जब लगे कि आपका बच्चा सही मूड में है और आपके पास बैठ रहा है तो उस टाइम आप उसे प्यार से समझा सकती हैं।

बच्चों के सामने पोजिटिव अप्रोच

बच्चे अक्सर तभी खुश होते हैं और पेरेंट्स की बात सुनते हैं जब कुछ उनके मन के अनुसार हुआ हो। इसलिए आपको चाहिए कि आप बच्चों के सामने पोजिटिव अप्रोच रखें। जैसे अगर आपके बच्चे को घूमना पसंद है तो बच्चे से कभी-कभी घूमने का प्रॉमिस करके अपना काम आसान कर सकती हैं।



प्लास्टिक की बोतल की मदद से किए जा सकते हैं गार्डन के ढेर सारे काम

घर के खाली हिस्से में गार्डन बनाना हम सभी को अच्छा लगता है। कुछ लोग सब्जियां उगाते हैं तो कुछ खूबसूरत फूल से गार्डन को सजाते हैं। गार्डन में लगे पौधों को हरा-भरा रखने के लिए कुछ चीजों का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी होता है। आप भी गार्डन के लिए बहुत सा सामान मार्केट से खरीदते होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि प्लास्टिक की बोतल से भी आप गार्डन के ढेर सारे काम कर सकते हैं।

बीज संभाल कर रखें

पौधों को लगाने के लिए हम सभी बीज खरीदते हैं लेकिन बहुत बार बीज बच जाते हैं। कई बार तो बीज का पैकेट ही बड़ा होता है। ऐसे में एक साथ ढेर सारे पौधे लगाने के बजाए हम कुछ बीज को संभाल कर रख लेते हैं। बीज को पैकेट में रखने से अच्छा है कि आप उसे किसी मजबूत चीज में संभाल कर रखें। इसके लिए आप घर पर रखी प्लास्टिक की बोतल यूज कर सकते हैं। वहीं अगर आपकी बोतल ज्यादा बड़ी और बीज कम हो तो आप बोतल को काट कर छोटा भी कर सकते हैं।

बनाएं स्प्रे बोतल

पौधों का ध्यान रखने के लिए बहुत से लोग तरह-तरह के फर्टिलाइजर का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप घर पर फर्टिलाइजर बनाते हैं तो आप स्प्रे बोतल भी मार्केट से खरीदने की बजाए घर पर ही बना सकते हैं। बोतल आप कोई भी ले सकते हैं और उसके ढक्कन में छेद कर पौधों पर स्प्रे कर सकते हैं।

करें गमले की तरह इस्तेमाल

पौधों के गमले खरीदने के लिए खर्च करने से अच्छा है कि आप घर पर ही गमला बना लें। इसके लिए आपको प्लास्टिक की बोतल को बीच में से काटकर आधा करना है। ऐसा करने के बाद बोतल में मिट्टी और खाद डालें। अब आपका गमला बन गया है जिसमें आप पौधे लगा सकते हैं। चूंकि प्लास्टिक की बोतल से बना गमला बहुत छोटा होता है इसलिए आप इसे घर के किसी भी हिस्से में लगा सकते हैं।

सजाएं गार्डन

गार्डन में गमलों को जमीन पर लगाने के साथ-साथ दीवारों पर या किसी रस्सी की मदद से टांगा भी जा सकता है। प्लास्टिक की बोतल पर रंग कर आप उससे काफी खूबसूरत गमला बना सकते हैं।

ढक्कन को ऐसे करें यूज

बोतल के साथ-साथ ढक्कन को भी मिट्टी में खड़ा कर पौधों की बाउंड्री बनाने के लिए यूज कर सकते हैं। इसके लिए आपको कम से कम 10 से 15 ढक्कन की जरूरत होगी जिन्हें आप खुल्ला-खुल्ला लगा कर सजा सकते हैं। इन ढक्कन पर रंग की किया जा सकता है।



अपने बच्चों के लिए पढ़ाई को मजेदार बनाएं

अक्सर बच्चों का ध्यान पढ़ाई में लगवाना मुश्किल होता है। क्योंकि पढ़ने के लिए बैठते ही कभी बच्चों को टॉयलेट की याद आती है तो कभी भूख लग जाती है। कुछ बच्चों की आदत होता है कि वह पढ़ाई से अपना मन चुराते दिखाई देते हैं। ऐसे में बच्चों के अंदर कंसंट्रेशन को बढ़ाना एक परेशानी भरा काम है, खासकर तब, जब वह बहुत ज्यादा एक्टिव होते हैं। अगर आपके घर में ऐसा है, तो आपको कुछ टिप्स जानने की जरूरत है जिससे आप अपने बच्चों के लिए पढ़ाई को मजेदार बना सकते हैं।

माहौल बनाएं

कई माता-पिता की आदत होती है कि बच्चे की बात सुने बिना वह बच्चे को बस पढ़ने बैठा देते हैं। जिससे बच्चों का पढ़ाई में मन ही नहीं लगता है। ऐसे में बच्चे को क्लासरूम में भेजने से पहले आपको कुछ ऐसा करना होगा जो बच्चों का ध्यान पढ़ाई की ओर आकर्षित करें। इसके लिए आप कुछ आकर्षक स्टेशनरी का सहारा ले सकते हैं। इसके लिए आप बच्चों को खूबसूरत स्टेशनरी से भरा हॉबी बैग दे सकते हैं।

टू-डू लिस्ट

बच्चे इस बात को सुनकर काफी ज्यादा एक्साइटेड रहते हैं कि वह आज पूरा दिन कैसे बिताएंगे। ऐसे में आप शुरूआत से ही उन्हें एक टू-डू लिस्ट बनाने की आदत डालें। ऐसा करने से वह समय-समय पर वहीं काम करेंगे। साथ ही ऐसा करना उनके लिए काफी एक्साइटिंग भी होगा। साथ ही ऐसे में उनकी कंसंट्रेशन पावर भी बढ़ेगी।

फ्लोचार्ट और लाइफ लर्निंग

आप अपने घर में टेक्सचर प्रिंटेड बुलेटिन बोर्ड लगवा सकते हैं। इसे देखने से भी आपके बच्चे का ध्यान आकर्षित होगा। इस बोर्ड पर आप उन चीजों को पिन कर सकते हैं जो आपने अपने बच्चे से करने को कहा है। इस पर आप कुछ इंटरेस्टिंग फोटो भी लगा सकते हैं जो बच्चे के कोर्स से जुड़ी हो जिसे जानने के लिए वह उत्सुक रहे।

व्हाइट बोर्ड और चाक बोर्ड

बाजार में इन दिनों एक बोर्ड मिल रहा है, जो एक तरफ से व्हाइट बोर्ड और दूसरी तरफ से चाक बोर्ड का काम करता है। इस तरह के बोर्ड पर पढ़ाई करना बच्चों के लिए काफी एक्साइटिंग होता है। इस पार आप उन्हें अच्छे से समझा सकते हैं। साथ ही वह भी खेल-खेल में भी इस बोर्ड के सहारे पढ़ाई कर सकते हैं।

टेबल-कुर्सी

आप बच्चों के लिए इस तरह की टेबल खरीदें जिसकी बनावट, डेस्क, स्टोरेज, लाइट आदि सब कुछ हो। अगर बच्चे की टेबल में ही सब कुछ होगा तो उन्हें सामान भी आसानी से मिल जाएगा। ऐसे में वह अपनी जगह से तब ही उठेंगे जब उनकी पढ़ाई पूरी हो जाएगी!

बच्चों को अखबार पढ़ने से मिलते हैं ढेर सारे फायदे

कुछ लोग रोजाना सुबह उठकर अखबार पढ़ना पसंद करते हैं। ना सिर्फ लोग बल्कि कई स्कूलों में भी बच्चों को पढ़ने के लिए अखबार दिए जाते हैं। लेकिन प्रश्न यह है कि अखबार पढ़ने से बच्चों को कौन से फायदे मिलते हैं? दरअसल रोजाना अखबार पढ़ने की हैबिट हर उम्र के लोगों के लिए बहुत अच्छी मानी जाती है। इस आदत की मदद से आपको लाइफ टाइम ढेर सारे फायदे मिलते हैं। चलिए जानते हैं इस विषय के बारे में विस्तार से।

रीडिंग हैबिट होती है अच्छी

अखबार बोल-बोल के पढ़ने से बच्चों की रीडिंग हैबिट काफी अच्छी होती है। अखबार में लिखी खबरों के लिए हर तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में जब बच्चे खबर पढ़ते हैं तो उससे उन्हें शब्दों को तोड़-तोड़ कर पढ़ना आ जाता है।

खबरों के बारे में चलता है पता

चाहे कोई बच्चा हो या बड़ा, हमें खबरों के बारे में अच्छे से पता होना चाहिए। शुरुआत से ही खबरों पर पकड़ बनाने पर आगे चलकर एक अच्छी नॉलेज मिल पाती है। बच्चे जब खबर पढ़ते हैं तो उन्हें देश और विदेश में क्या चल रहा है यह भी मालूम हो जाता है।

लिखना सुधरता है

पढ़ने के साथ-साथ बच्चों को लिखना सिखाने के लिए भी अखबार की मदद ली जा सकती है। बच्चा जब खबरों की पंक्तियों को पढ़ता है तो उसे वाक्य बनाने आते हैं और मात्राओं को भी ज्ञान मिलता है।

शब्दकोश मजबूत होता है

अखबार पढ़ने से हमारा शब्दकोश भी बड़ा होता है जिससे हम बात करते वक्त अपनी भावनाओं को ढेर सारे शब्दों में व्यक्त कर पाते हैं। बच्चों का शब्दकोश बड़ा होने पर उनके लिखने की आदत भी सुधरी है।

नौकरी में मिलती है मदद

जब एक बच्चा अखबार पढ़कर ऊपर दिए गए सारे बिंदु प्राप्त कर लेता है तो उसे नौकरी के दौरान होने वाले इंटरव्यू को देने में बहुत मदद मिलती है। साथ ही पत्रकारिता जैसे बहुत सारे प्रोफेशन में लिखना एक मुख्य कौशल होता है। जो बच्चे शुरुआत से ही अखबार पढ़ते हैं उन्हें आगे चलकर नौकरी में बहुत मदद मिलती है।





कैसे करें एसआईपी में इन्वेस्टमेंट?

अगर आप अपने पैसों को इन्वेस्ट करने की सोच रहे हैं तो आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड्स में निवेश कर सकते हैं। ज्यादातर लोग एफडी में निवेश करते हैं जिससे उन्हें उस पर रिटर्न मिलता है लेकिन एसआईपी में आपको रिटर्न पर भी रिटर्न मिलता है। अगर आप इसका लाभ पाना चाहते हैं तो हम आपको बताएंगे कि आप कैसे इसका फायदा उठा सकते हैं और इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं।

एसआईपी यानी सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान में निवेश की शुरुआत करने के लिए आपको केवाईसी को कंप्लीट करना होता है। इसके बाद आपको जिस भी म्यूचुअल फंड में निवेश करना है आप उसमें अपनी जानकारी को भर दें और फिर सारे डॉक्यूमेंट्स को सबमिट कर दें।

इसके बाद वेरिफिकेशन होता है जिसमें आपको अपने डॉक्यूमेंट को वेरीफाई करवाना होता है। जब आपका वेरिफिकेशन का प्रोसेस खत्म हो जाएगा तो आपको जिस भी म्यूचुअल फंड में निवेश करना है वह आप सिलेक्ट कर सकते हैं। जब आप नया अकाउंट रजिस्टर कर देते हैं तो आपको एक फॉर्म भरना होता है और अपने बैंक से संबंधित जानकारी को भी भरना होता है। इसके बाद जब आपका रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरा हो जाएगा तो आप निवेश करना शुरू कर सकते हैं।

एसआईपी के फायदे

एसआईपी से कोई भी व्यक्ति अगर नियमित रूप से म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहता है तो वह कर सकता है। इसमें कम पैसों में भी निवेश किया जा सकता है। आपको बता दें कि इसमें निवेश किए गए पैसों को कम या ज्यादा अपने अनुसार कर सकते हैं। आपको बता दें कि इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करने का यह एक बहुत अच्छा ऑप्शन माना जाता है क्योंकि इसमें लाभ की संभावना अधिक होती है।

एसआईपी में निवेश किए गए पैसों पर इनकम टैक्स में छूट भी मिल सकती है। इसमें आप हर साल एक लाख की राशि पर छूट पा सकते हैं।

एसआईपी से आप बहुत ही कम पैसों में शेयर बाजार में भाग ले सकते हैं। यह निवेश का ऐसा तरीका है जो आपकी बचत को बढ़ाता है। इन सभी कारणों की वजह से यह एक बचत करने का बेहतर ऑप्शन हो सकता है। आप अपनी सुविधा के अनुसार एसआईपी में निवेश की अवधि को मासिक, तिमाही का ऑप्शन भी चुन सकते हैं। अगर आप आने वाले समय में बैंक अकाउंट में खूब सारे पैसे कम समय में पाना चाहते हैं तो यह ऑप्शन आपके लिए बेहतर साबित हो सकता है।

राज्य स्थापना दिवस के 26 साल उत्तराखंड बेहाल पर जनसंवाद और गैरसैंण राजधानी की मांग को लेकर 23 दिन से जारी अनशन

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। राजधानी गैरसैंण बनाने की मांग को लेकर बुद्ध पार्क में पिछले 23 दिन से चल रहा अनशन आज भी जारी रहा। अनशन स्थल पर ही राज्य स्थापना दिवस मनाया गया।



इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि जो राज्य हमने मांगा था, वो राज्य नहीं बना। उस राज्य की पूरी अवधारणा को केंद्रित कर दिया गया है। देश के राष्ट्रीय राजनीतिक दलों की यहाँ पर कठपुतलियां राज कर रही हैं, जिससे जनता में भारी रोष और असंतोष व्याप्त है। खेती चौपट हो चुकी है। वक्ताओं ने कहा कि अंकिता कांड इस बात का प्रमाण हो गया है कि उत्तराखंड राज्य में जो वीआईपी राज है, उससे राज्य की अवधारणा पूरी तौर पर नष्ट हो गई है। और जिन वीआईपीस को अपराधों से बचाना है, उनको राज्यपाल बनाया जा रहा है। ये घटना राज्य की अवधारणा पर भारी चोट करती है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्रमिक अनशन पर बैठे कार्तिक उपाध्याय एवं अमीनुर रहमान साहब सहित अनेक वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहे। वक्ताओं ने विस्तार से अपनी बात रखीः

पी.सी. तिवारी ने कहा: गैरसैंण का अर्थ क्या है, गैरसैंण की अवधारणा क्या है और राजधानी गैरसैंण ही क्यों होनी चाहिए, इस विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि गैरसैंण केवल एक भौगोलिक स्थान नहीं है, बल्कि उत्तराखंड की आत्मा, पहाड़ की अस्मिता और संतुलित विकास की अवधारणा है।

विनोद प्रसाद रतूड़ी ने कहा: स्थाई राजधानी गैरसैंण समिति द्वारा चलाए गए आंदोलन का उल्लेख करते हुए कहा कि राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी तथा अधिकारियों और कर्मचारियों की नाकामी के कारण आज तक गैरसैंण स्थाई राजधानी नहीं बन पाई। इन 26 सालों में उत्तराखंड का हाल बेहाल हुआ है और राज्य अपने मूल उद्देश्यों से भटक गया है।

अमीनुर रहमान साहब ने कहा: मैं स्वयं राज्य आंदोलनकारी था और हमने राज्य की स्थापना इसलिए की थी कि इसकी राजधानी गैरसैंण हो। लेकिन 26 साल बाद भी हमारे प्रदेश की कोई स्थाई राजधानी नहीं है। यह आंदोलनकारियों के सपनों के साथ विश्वासघात है।

कार्तिक उपाध्याय ने कहा:

इन 26 सालों में विभिन्न सरकारों द्वारा किए गए भ्रष्टाचार पर बात की। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और बेइंसाफी आज भी जारी है। जो लोग गरीब थे, जो प्रधान तक नहीं बन सकते थे, वे विधायक और मंत्री बन गए और उन्होंने इन 26 सालों में राज्य का बेहाल कर दिया है।

श्री हरीश रावत जी ने कहा:

यह राज्य 42 शहादतों के बाद मिला था। इन 26 वर्षों में राजनीतिक राष्ट्रीय पार्टियों ने उत्तराखंड को अय्याशी का अड्डा बना दिया है। बाहरी राज्यों से आए बड़े ठेकेदारों और माफियाओं के हितों के लिए राज्य का प्रयोग हुआ है, राज्य का उपयोग हुआ है। शहीदों के सपनों का राज्य बनाने के बजाय राज्य को लूट का माध्यम बना दिया गया है।

दारमा घाटी के दांतू गांव पहुंचे पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज, सीमांत क्षेत्र में पर्यटन विकास को लेकर किया मंथन

स्थानीय लोगों एवं होम स्टे संचालकों से की बातचीत, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने पर दिया जोर; पारंपरिक रं पगड़ी पहनाकर किया गया भव्य स्वागत

के.के.पी संवाददाता

पिथौरागढ़। उत्तराखंड के पर्यटन, संस्कृति, लोक निर्माण विभाग और सिंचाई मंत्री श्री सतपाल महाराज चीन सीमा से सटी दारमा घाटी के दांतू गांव पहुंचे। इस दौरान उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों एवं होम स्टे संचालकों के साथ बैठक कर सीमांत क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा पर्यटन की संभावनाओं को विकसित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की।



इस अवसर पर स्थानीय ग्रामीणों ने पर्यटन मंत्री का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ स्वागत किया। ग्रामीणों ने उन्हें पारंपरिक पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। बैठक के दौरान पर्यटन मंत्री ने स्थानीय लोगों से क्षेत्र में पर्यटन की संभावनाओं, होम स्टे संचालन में आ रही समस्याओं तथा पर्यटकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। साथ ही स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित कर उन्हें व्यापक बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा, ताकि स्थानीय ग्रामीणों को स्वरोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें और उनकी आर्थिकी सुदृढ़ हो सके। उन्होंने दारमा घाटी की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक जीवनशैली एवं स्थानीय विशिष्टताओं को पर्यटन से जोड़कर क्षेत्र को पर्यटन के मानचित्र पर नई पहचान दिलाने पर जोर दिया। पर्यटन मंत्री ने कहा कि स्थानीय समुदाय की भागीदारी से सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन का विकास किया जाना आवश्यक है, जिससे पर्यटन गतिविधियों के विस्तार के साथ-साथ स्थानीय लोगों की आजीविका के साधन भी मजबूत हो सकें।

केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने के बाद धाम से सोनप्रयाग तक चलाया गया वृहद स्वच्छता अभियान



के.के.पी संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देशों के क्रम में आज श्री केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद होने के बाद धाम से लेकर पैदल यात्रा मार्ग एवं सोनप्रयाग तक वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर फैले कूड़े-कचरे एवं अपशिष्ट सामग्री को एकत्रित कर उसका उचित निस्तारण किया गया। साथ ही यात्रा मार्ग और आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया।

जिला प्रशासन द्वारा यात्रा समाप्ति के बाद भी केदारनाथ धाम एवं यात्रा मार्ग की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी उद्देश्य से संबंधित विभागों एवं सफाई कर्मियों के माध्यम से व्यापक स्तर पर सफाई अभियान संचालित किया गया, ताकि धाम की प्राकृतिक सुंदरता और पवित्रता बनी रहे।

अल्मोड़ा में 18वी राष्ट्रीय कुमाऊनी भाषा सम्मेलन 14-15 नवंबर को होगा दो दिवसीय राष्ट्रीय कुमाऊंनी भाषा सम्मेलन

के.के.पी संवाददाता

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा में आगामी 14 और 15 नवंबर को दो दिवसीय,18वी 'राष्ट्रीय कुमाऊंनी भाषा सम्मेलन' का भव्य आयोजन होने जा रहा है। कुमाऊंनी भाषा न्यास और 'पहरू' कुमाऊंनी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले में देश के विभिन्न राज्यों से साहित्यकार, भाषाविद्, , फिल्म निर्माता और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स सहभागिता करेंगे।यहा एक स्थानीय होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कार्यक्रम डॉ. हयात सिंह रावत ने बताया कि विभिन्न स्थानों से 40 से 45 वरिष्ठ साहित्यकारों, अल्मोड़ा पहुंचेंगे । उन्होंने बताया कि इस दौरान दिए जाने वाले मुख्य सम्मानों में 'बहादुर सिंह बनौला कुमाऊंनी साहित्य सेवी सम्मान', 'ज्योतिषाचार्य पं. जयदेव अवस्थी



कुमाऊंनी भाषा सेवी सम्मान' तथा 'वैद्य कल्याण सिंह बिष्ट कुमाऊंनी संस्कृति सेवी सम्मान' शामिल हैं। इनके अतिरिक्त समाज सेवा के लिए 'दिलीप सिंह खेतवाल स्मृति कर्मवीर पुरस्कार' व कई विशिष्ट स्मृति साहित्य सम्मान भी प्रदान किए जाएंगे। वहीं, सात अलग-अलग विधाओं की लेखन प्रतियोगिताओं के जरिए चुने गए 21 उभरते लेखकों को भी पुरस्कृत किया जाएगा। दो दिनों तक चलने वाले इस राष्ट्रीय सम्मेलन को महत्वपूर्ण बौद्धिक सत्रों में विभाजित किया गया है। पहले दिन के सत्रों में कुमाऊंनी भाषा के प्राचीन इतिहास, समृद्ध साहित्य और इसे भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची का हिस्सा बनाने की पुरजोर मांग पर गंभीर विमर्श होगा। इसके बाद कुमाऊंनी साहित्य के सफरनामे, लोक संगीत, रंगमंच, उत्तराखंडी सिनेमा और डिजिटल युग में सोशल मीडिया पर भाषाई उपयोग की दशा और दिशा पर विशेषज्ञ अपने विचार रखेंगे।सम्मेलन के दूसरे दिन आधुनिक युवा पीढ़ी और मातृभाषा के विकास में महिलाओं की अहम भूमिका पर महामंथन होगा।

अंतिम और सत्र में एक भव्य कुमाऊंनी कवि सम्मेलन की महफिल सजेगी, जिसके बाद सर्वसम्मति से भाषा संरक्षण के लिए भविष्य की ठोस कार्ययोजना का प्रस्ताव पारित किया जाएगा। पत्रकार वार्ता में वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र सिंह रावत, चंद्रशेखर बनकोटी, विनय किरौला, सहित उपस्थित रहे।

ऑपरेशन प्रहार के तहत कनखल पुलिस की कार्रवाई, 53 वर्षीय वारंटी गिरफ्तार



के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। ऑपरेशन प्रहार के तहत हरिद्वार पुलिस की वारंटियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में कोतवाली कनखल पुलिस ने न्यायालय से जारी वारंट के अनुपालन में दबिश देकर एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित ऑपरेशन प्रहार अभियान के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर जनपद में वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 11 नवंबर 2026 को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कनखल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए न्यायालय के आदेशों की अवहेलना कर रहे वारंटी भोगराज को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार वारंटी की पहचान भोगराज पुत्र आशाराम, निवासी कुम्हारगढ़ा, कनखल, थाना कनखल, जनपद हरिद्वार, उम्र 53 वर्ष के रूप में हुई है।

विश्व प्रसिद्ध श्री केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल हेतु विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुए बंद, शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मन्दिर ऊखीमठ के लिए रवाना हुई बाबा केदार की चल विग्रह उत्सव डोली

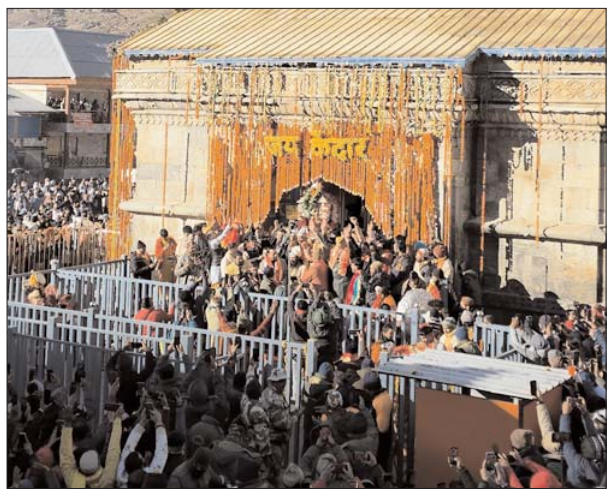
कपाट बंद होने के अवसर पर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक सहित प्रशासनिक अधिकारी, बीकेटीसी के अधिकारी, तीर्थ पुरोहितगण एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु रहे मौजूद।

के.के.पी संवाददाता

रुद्रप्रयाग। विश्व प्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग श्री केदारनाथ धाम के कपाट आज दिनांक 11 नवम्बर 2026 (बुधवार) को प्रातः 08:30 बजे पूर्ण वैदिक मंत्रोच्चार, विधि-विधान, पूजा-अर्चना एवं धार्मिक परम्पराओं के अनुरूप शीतकाल के लिए विधिवत बंद कर दिए गए। इसी के साथ इस वर्ष की श्री केदारनाथ धाम की यात्रा का विधिवत समापन हो गया है।

श्री केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने की प्रक्रिया आज तड़के प्रातः 04:00 बजे से ही विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठानों के साथ प्रारम्भ कर दी गई थी। निर्धारित धार्मिक परम्पराओं के अनुसार समस्त पूजा-अर्चना एवं वैदिक





अनुष्ठान सम्पन्न कराए गए। इसके पश्चात प्रातः 08:30 बजे शुभ मुहूर्त में मन्दिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इस पावन अवसर पर पूरा केदारनाथ धाम बाबा केदार के जयकारों एवं भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान रहा।

कपाट बंद होने के इस पावन अवसर पर अध्यक्ष बदरीनाथ-केदारनाथ मन्दिर समिति श्री हेमन्त द्विवेदी, जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग श्री विशाल मिश्रा, पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग श्रीमती नीहारिका तोमर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी बदरीनाथ-केदारनाथ मन्दिर समिति श्री सोहन सिंह रागड़, पुलिस उपाधीक्षक गुप्तकाशी अवनी तिवारी, चौकी प्रभारी केदारनाथ मुकेश डिमरी सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी, तीर्थ पुरोहितगण, हक-हकूकधारी एवं देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कपाट बंद होने के पश्चात भगवान श्री केदारनाथ जी की चल विग्रह उत्सव डोली ने मन्दिर परिसर का भ्रमण कर शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मन्दिर, ऊखीमठ के लिए प्रस्थान किया। बाबा केदार की डोली के धाम से प्रस्थान के दौरान श्रद्धालुओं ने भावुक मन से बाबा केदार के जयकारे लगाते हुए डोली को विदाई दी और अधिकांश श्रद्धालुओं ने केदारनाथ धाम से डोली के साथ-साथ प्रस्थान किया है।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज दिनांक 11 नवम्बर को बाबा केदार की चल विग्रह उत्सव डोली का प्रथम रात्रि प्रवास रामपुर में रहेगा। इसके पश्चात दिनांक 12 नवम्बर को डोली गुप्तकाशी पहुंचेगी तथा दिनांक 13 नवम्बर को अपने शीतकालीन गद्दीस्थल श्री ओंकारेश्वर मन्दिर, ऊखीमठ पहुंचेगी। यहां धार्मिक परम्पराओं एवं विधि-विधान के अनुसार भगवान श्री केदारनाथ जी की शीतकालीन पूजा-अर्चना प्रारम्भ होगी।

शीतकाल के आगामी छः माह तक बाबा केदार की पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान श्री ओंकारेश्वर मन्दिर, ऊखीमठ में सम्पन्न होंगे। इस अवधि में श्रद्धालुजन ऊखीमठ पहुंचकर बाबा केदार के शीतकालीन गद्दीस्थल पर दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर सकेंगे।

भारत में पहली बार खच्चरों की लीद और पीरूल से तैयार किए गए फायर पेलेट

के.के.पी संवाददाता

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ मार्ग पर खच्चरों की लीद का उचित निस्तारण पर्यावरण के लिए एक बड़ी चुनौती रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए माननीय पुष्कर सिंह धामी सरकार ने पहली बार भारत में एक पहल की जिसमें खच्चरों की लीद और पीरूल के मिश्रण से सोनप्रयाग में पेलेट निर्माण की इकाई स्थापित की गई है। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने आज इस यूनिट का निरीक्षण करते हुए इसकी कार्य प्रणाली को देखा।

हालांकि, यह इकाई अभी बड़े पैमाने पर उत्पादन करने में सक्षम नहीं है, लेकिन इसके परिणाम काफी बेहतरीन हैं। यहां निर्मित फायर पेलेट से केदारनाथ में श्रद्धालुओं के लिए स्थापित हॉट वॉटर जनरेटर के माध्यम से 24 घंटे निःशुल्क गर्म पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

ये बायोमास पेलेट कार्बन न्यूट्रल हैं, जो पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से एक बेहतर ईंधन विकल्प हैं।



इन पेलेट का उपयोग हॉट वॉटर बॉयलर के साथ-साथ ढाबों को उपलब्ध कराए जाने वाले फायर स्टोव में भी किया जाएगा जो कि गैस और डीजल में बचत करेंगे इसके अलावा, उत्तराखंड में स्थापित उद्योगों की फर्नेस में भी इन पेलेट का उपयोग किया जाएगा, इस इकाई को उत्तराखंड पर्यटन विभाग के सौजन्य से तथा जिला प्रशासन रुद्रप्रयाग, मुख्य पशु चिकित्सक अधिकारी रुद्रप्रयाग व वन विभाग रुद्रप्रयाग के सहयोग से एन.जी.ओ हाईफीड ने स्थापित किया है निदेशक उदित घिल्डियाल ने बताया की भारी यात्रा के चलते सोनप्रयाग में इकाई व केदारनाथ धाम में हॉट वाटर जनरेटर स्थापित करने में काफी कठिनाई आयी उन्होंने बताया शीघ्र लिंचोली और गौरीकुंड में भी हॉट वाटर जनरेटर स्थापित किये जाएं।

एचआरडीए में राजीव भट्ट और डॉ. विशाल गर्ग बने सदस्य, कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

शासन ने आवास एवं राज्य संपत्ति विभाग के माध्यम से किया नामांकन, समर्थकों ने गर्मजोशी से किया स्वागत, बधाई देने वालों का लगा तांता

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण (एचआरडीए) में राजीव भट्ट और डॉ. विशाल गर्ग को सदस्य नामित किए जाने से राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में खुशी का माहौल है। उत्तराखंड शासन के आवास एवं राज्य संपत्ति विभाग की ओर से दोनों को सदस्य नामित किए जाने की सूचना मिलते ही समर्थकों और कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर दौड़ गई। कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत कर फूल-मालाओं से अभिनंदन किया। वहीं, एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की।

राजीव भट्ट और डॉ. विशाल गर्ग के सदस्य नामित होने पर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देने वालों



का तांता लगा हुआ है। समर्थकों ने इसे उनके प्रति विश्वास और कार्यकर्ताओं के सम्मान से जुड़ा महत्वपूर्ण निर्णय बताया। इस अवसर पर नवनियुक्त सदस्यों राजीव भट्ट और डॉ. विशाल गर्ग ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और भाजपा प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नेतृत्व ने उन पर विश्वास जताते हुए जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। हरिद्वार के विकास और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए अपनी जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि दोनों के अनुभव और सक्रियता का लाभ हरिद्वार के विकास कार्यों को मिलेगा। एचआरडीए में उनकी सहभागिता से क्षेत्र की विकास योजनाओं, नागरिक सुविधाओं और शहर की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में सकारात्मक योगदान मिलने की उम्मीद है।

नामांकन की खबर सामने आने के बाद से ही समर्थकों और शुभचिंतकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। लोगों ने दोनों को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

भैयादूज पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बंद हुए विश्वप्रसिद्ध यमुनोत्री धाम के कपाट, शीतकालीन प्रवास के लिए खरसाली रवाना हुई मां यमुना की डोली





के.के.पी संवाददाता

उत्तरकाशी। विश्वप्रसिद्ध श्री यमुनोत्री धाम के कपाट भैयादूज के पावन पर्व पर बुधवार, 11 नवंबर 2026 को विधि-विधान, वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। पूर्वाह्न 10 बजकर 28 मिनट पर मंदिर के कपाट बंद होने के साथ ही इस वर्ष की नियमित चारधाम यात्रा का समापन हो गया।

कपाट बंद होने के पश्चात मां यमुना जी की उत्सव डोली पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था के बीच शनिदेव महाराज की अगुवाई में शीतकालीन प्रवास खरसाली (खुशीमठ) गांव के लिए रवाना हुई। इस दौरान ढोल-दमाऊ की मधुर धुनों और सैकड़ों श्रद्धालुओं के जयकारों से पूरा धाम भक्तिमय हो उठा।

शीतकाल के दौरान श्रद्धालु मां यमुना के दर्शन एवं पूजा-अर्चना खरसाली स्थित मां यमुना मंदिर में कर सकेंगे। परंपरा के अनुसार मां यमुना की पूजा अब शीतकालीन प्रवास स्थल पर संपन्न होगी।

उत्तरकाशी पुलिस ने चारधाम यात्रा को सुरक्षित एवं सुगम बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए शीतकालीन यात्रा तथा आगामी वर्ष श्री यमुनोत्री एवं गंगोत्री धाम की यात्रा पर आने वाले सभी श्रद्धालुओं का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया है।

भैया दूज पर सुनीता चौधरी ने भाई आदित्य चौधरी को लगाया तिलक, दी मंगलमय जीवन की शुभकामनाएं

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक पावन पर्व भैया दूज हर्षोल्लास एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूर्व लोकपाल एवं बाल कल्याण समिति की सदस्य सुनीता चौधरी ने अपने छोटे भाई आदित्य चौधरी, सदस्य किशोर न्याय बोर्ड हरिद्वार, को तिलक लगाकर भैया दूज की शुभकामनाएं दीं और उनके सुखद, स्वस्थ एवं मंगलमय जीवन की कामना की।



इस अवसर पर सुनीता चौधरी ने कहा कि भैया दूज भारतीय संस्कृति में भाई-बहन के पवित्र प्रेम, स्नेह और आपसी विश्वास का प्रतीक पर्व है। यह पर्व केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि परिवार के सदस्यों को प्रेम और आत्मीयता के बंधन में जोड़ने वाली हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि भैया दूज के अवसर पर बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु की कामना करती हैं, वहीं भाई भी अपनी बहनों के प्रति सम्मान, स्नेह और सुरक्षा का भाव व्यक्त करते हैं। बदलते समय के बावजूद भारतीय संस्कृति और पारिवारिक परंपराओं में इस पर्व का महत्व आज भी कायम है।

सुनीता चौधरी ने कहा कि ऐसे पर्व समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे, पारिवारिक एकता और संस्कारों को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने भैया दूज के पावन अवसर पर हरिद्वार सहित समस्त प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख, शांति और समृद्धि की मंगलकामना की।

यमुनोत्री मंदिर समिति ने उत्कृष्ट यात्रा प्रबंधन हेतु एसपी उत्तरकाशी एवं उत्तरकाशी पुलिस की सराहना की

के.के.पी संवाददाता

उत्तरकाशी। विश्वप्रसिद्ध श्री गंगोत्री एवं श्री यमुनोत्री धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद हो चुके हैं। चारधाम यात्रा-2026 के दौरान दोनों धामों में इस वर्ष श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड संख्या दर्ज की गई। यात्रा अवधि में कुल 18,92,018 श्रद्धालुओं ने मां गंगा एवं मां यमुना के दर्शन किए। इनमें श्री यमुनोत्री धाम में 8,84,841 तथा श्री गंगोत्री धाम में 10,07,177 श्रद्धालु पहुंचे।



श्रद्धालुओं की इस ऐतिहासिक संख्या के बावजूद दोनों धामों में यात्रा व्यवस्था, यातायात संचालन, भीड़ नियंत्रण एवं सुरक्षा प्रबंधन सुचारु एवं सुव्यवस्थित बना रहा।

श्री यमुनोत्री धाम के कपाट बंद होने के अवसर पर यमुनोत्री मंदिर समिति के प्रवक्ता एवं रावल श्री पुरुषोत्तम उनियाल ने पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी श्रीमती कमलेश उपाध्याय एवं उत्तरकाशी पुलिस के यात्रा प्रबंधन की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष श्री यमुनोत्री धाम में लगभग 8.84 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने के बावजूद पुलिस द्वारा यात्रा संचालन, भीड़ नियंत्रण तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधाओं के लिए किए गए प्रयास अत्यंत सराहनीय रहे। इसका श्रेय उन्होंने पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी के कुशल नेतृत्व एवं प्रभावी दिशा-निर्देशन को दिया। उन्होंने आगे कहा कि केवल श्री यमुनोत्री धाम ही नहीं, बल्कि श्री गंगोत्री एवं श्री यमुनोत्री दोनों धामों में श्रद्धालुओं की ऐतिहासिक संख्या के बावजूद यातायात, भीड़ प्रबंधन, यात्रा संचालन एवं सुरक्षा व्यवस्थाएं उच्च स्तर की रहीं, जिससे श्रद्धालुओं को सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यात्रा का अनुभव प्राप्त हुआ। चारधाम यात्रा-2026 में रिकॉर्ड श्रद्धालुओं की आवाजाही के बीच सुचारु यात्रा संचालन एवं सुरक्षा व्यवस्था उत्तरकाशी पुलिस की प्रतिबद्धता, समर्पण और बेहतर समन्वय का परिचायक रही।

झबरेड़ा में ऑपरेशन प्रहार के तहत जानलेवा हमले के दो आरोपी गिरफ्तार, सरिया और लाठी-डंडे बरामद

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। पुलिस मुख्यालय की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत हरिद्वार पुलिस ने झबरेड़ा क्षेत्र में जान से मारने की नीयत से मारपीट करने के मामले में वांछित चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक सरिया की रॉड और लाठी-डंडा भी बरामद किया है।



पुलिस के अनुसार, 9 नवंबर 2026 को कोतवाली झबरेड़ा में ग्राम खजूरी निवासी सुमित पुत्र सुभाष ने तहरीर देकर बताया था कि उनके चाचा मंगता के साथ इरफान सहित सात लोगों ने कथित तौर पर घर में घुसकर पलकटी, लाठी-डंडे और सरिये से जान से मारने की नीयत से मारपीट की, जिसमें उन्हें गंभीर चोटें आईं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 210/26 दर्ज कर जांच शुरू की थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर ऑपरेशन प्रहार के अंतर्गत वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान में थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस टीम ने नामजद आरोपी नौशाद पुत्र इरफान और मुनीर पुत्र आबाद, निवासी ग्राम खजूरी, थाना झबरेड़ा, हरिद्वार को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक सरिया की रॉड और एक लाठी-डंडा बरामद किया है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई करते हुए उन्हें नियमानुसार न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

26वें राज्य स्थापना दिवस पर मिनी सरस मेले में विविध आयोजन, स्थानीय उत्पादों को बाजार से जोड़ने पर जोर

जोशियाडा झील में आयोजित हुई एडवेंचर स्पोर्ट्स गतिविधियां

ग्रामीण महिलाओं के हुनर को बाजार से जोड़ने की पहल और छात्र-छात्राओं और स्थानीय कलाकारों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

के.के.पी संवाददाता

उत्तरकाशी। उत्तराखंड राज्य के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं ग्राम्य विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित जनपद स्तरीय मिनी सरस आजीविका मेले के तहत बुधवार को क्रेता-विक्रेता बैठक, कार्यशाला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में दर्जाधारी राज्यमंत्री प्रताप सिंह पंवार, ब्लॉक प्रमुख भटवाड़ी ममता पंवार और





जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने प्रतिभाग किया। मिनी सरस मेले का उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को बाजार से जोड़ने, ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देना है। दर्जाधारी राज्यमंत्री प्रताप सिंह पंवार ने कहा कि उत्तराखंड की पहचान यहां की संस्कृति, परंपराओं और स्थानीय उत्पादों से है। सरकार का प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों में ही रोजगार के अवसर विकसित हों और महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बनें। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने और उनकी पहचान बढ़ाने में मिनी सरस जैसे आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान एमडीएस और एल्पाइन स्कूल के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। सूचना एवं लोक संपर्क विभाग में पंजीकृत सांस्कृतिक दलों और स्थानीय कलाकारों ने लोकगीत एवं लोकनृत्य के माध्यम से जनपद की समृद्ध लोक संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। मेले में जनपद के सभी छह विकासखंडों के स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार कृषि एवं गैर-कृषि उत्पादों, पारंपरिक खाद्य सामग्री, फल प्रसंस्करण उत्पादों और हस्तशिल्प के स्टॉल भी लगाए गए हैं। गढ़भोज का विशेष स्टॉल भी मेले का आकर्षण बना हुआ है।

कुंभ-2027: पुलों के निर्माण कार्यों को समयबद्ध पूरा करने पर मेला प्रशासन का विशेष जोर

वरिष्ठ अधिकारी कर रहे निर्माण कार्यों का लगातार स्थलीय निरीक्षण

अपर मेलाधिकारी ने सूखी नदी और दक्षद्वीप में एस्केप चैनल पर निर्माणाधीन पुलों का किया निरीक्षण

पुराने दिल्ली-नीति पास मार्ग के सुधारीकरण और फुटपाथ निर्माण कार्यों को भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश

लोनिवि के प्रमुख अभियंता एवं विभागाध्यक्ष सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी किया निर्माण कार्यों का निरीक्षण

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। कुंभ मेला-2027 की तैयारियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। गंगा घाटों के निर्माण एवं मरम्मत से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों को गति देने के बाद अब मेला प्रशासन का विशेष जोर विभिन्न स्थानों पर निर्माणाधीन पुलों व अन्य लंबित कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा कराने पर है। मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका के निर्देशों के क्रम में निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी की जा रही है। इसके तहत वरिष्ठ अधिकारी लगातार कार्यस्थलों पर पहुंचकर निर्माण कार्यों की प्रगति का स्थलीय



निरीक्षण कर रहे हैं, ताकि कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के साथ ही उनकी गुणवत्ता भी सुनिश्चित की जा सके। इसी क्रम में बुधवार को अपर मेलाधिकारी श्री दयानंद सरस्वती ने खड़खड़ी में सूखी नदी पर निर्माणाधीन डबल लेन स्टील गर्डर पुल तथा दक्षद्वीप में एस्केप चैनल पर बन रहे पुल का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्यों की वर्तमान प्रगति की जानकारी लेते हुए विभिन्न चरणों में चल रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं। इसके लिए कार्यदायी संस्थाएं पर्याप्त संसाधनों का उपयोग करते हुए पूरी क्षमता एवं दक्षता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में तेजी लाने के साथ ही गुणवत्ता के मानकों का भी पूरी गंभीरता से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि तैयार होने वाले पुल कुंभ मेले के दौरान श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों के आवागमन के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक साबित हों।

अपर मेलाधिकारी ने पुराने दिल्ली-नीति पास मार्ग पर चल रहे सड़क सुधारीकरण एवं फुटपाथ निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता श्री योगेश कुमार को निर्देशित किया कि मार्ग के जिन हिस्सों में सीसीटीवी नेटवर्क की भूमिगत केबल डालने तथा सीवरेज लाइन से संबंधित कार्य शेष होने के कारण सड़क सुधारीकरण का कार्य लंबित था, वहां अब संबंधित कार्य पूरे हो चुके हैं। ऐसे में सड़क सुधारीकरण के लंबित कार्यों एवं फुटपाथ निर्माण के शेष कार्यों को बिना किसी विलंब के पूरा कराया जाए। उन्होंने कहा कि कुंभ मेले के दृष्टिगत प्रमुख मार्गों का सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित होना अत्यंत आवश्यक है। सड़क सुधारीकरण के साथ फुटपाथ निर्माण पूरा होने से पैदल चलने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में भी मदद मिलेगी।

कुंभ मेला-2027 से जुड़े निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लेने के लिए लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता एवं विभागाध्यक्ष श्री राजेश चंद्र शर्मा, अधीक्षण अभियंता श्री डीपी सिंह तथा सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता श्री बीसी पांडे सहित विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी बुधवार को मेला क्षेत्र में विभिन्न निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने तथा गुणवत्ता के मानकों का विशेष ध्यान रखने पर जोर दिया। मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका के निर्देशानुसार मेला क्षेत्र में चल रहे स्थायी एवं अस्थायी निर्माण कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है। मेला प्रशासन का प्रयास है कि कुंभ मेले से जुड़े सभी प्रमुख आधारभूत कार्य निर्धारित समय पर पूरे हों और श्रद्धालुओं को बेहतर आवागमन सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही कुंभ नगरी हरिद्वार में सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद की जा सकें।

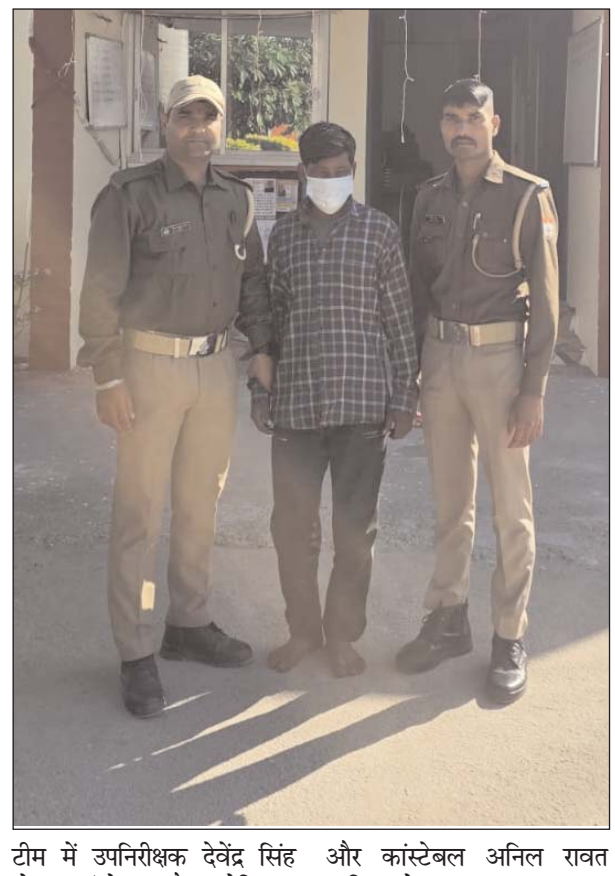
ऑपरेशन प्रहार के तहत श्यामपुर पुलिस ने आबकारी अधिनियम के मामले में वांछित आरोपी को पकड़ा

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। जनपद में अपराधियों और वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार अभियान के तहत हरिद्वार पुलिस को सफलता मिली है। कोतवाली श्यामपुर पुलिस ने आबकारी अधिनियम के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर जनपद में वांछित, इनामी एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में श्यामपुर पुलिस ने सटीक सुरागरसी-पतारसी और लगातार प्रयासों के आधार पर वाद संख्या 1254/24, धारा 60 आबकारी अधिनियम में वांछित आरोपी सुनील को ग्राम कांगड़ी स्थित पानी की टंकी के पास से पकड़ लिया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुनील पुत्र श्याम सिंह, निवासी ग्राम कांगड़ी, पानी की टंकी के पास, कोतवाली श्यामपुर, जिला हरिद्वार के रूप में हुई है। पुलिस



टीम में उपनिरीक्षक देवेंद्र सिंह तोमर, कांस्टेबल सौरभ नोटियाल और कांस्टेबल अनिल रावत शामिल रहे।

हरिद्वार में आदतन अपराधी पर पुलिस का शिकंजा, सुनील एक माह के लिए जिला बदर





के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। शातिर एवं आदतन अपराधियों के खिलाफ हरिद्वार पुलिस की सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में कोतवाली नगर पुलिस ने गुण्डा नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए एक आदतन अपराधी को एक माह के लिए जिला बदर कर दिया। पुलिस ने मुनादी कराकर जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय के आदेश की तामील कराई और उसे जनपद की सीमाओं से बाहर कर दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर जनपद में समाज विरोधी एवं आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर के नेतृत्व में संबंधित आरोपी के खिलाफ गुण्डा नियंत्रण अधिनियम के तहत प्रभावी पैरवी की गई। पुलिस की ठोस पैरवी के बाद जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय हरिद्वार द्वारा सुनील पुत्र समय सिंह, निवासी मोहल्ला काशीपुरा, मंशा देवी मार्ग, कोतवाली नगर, हरिद्वार, उम्र 45 वर्ष के विरुद्ध एक माह के लिए जिला बदर किए जाने के आदेश जारी किए गए थे।

न्यायालय के आदेश के अनुपालन में कोतवाली नगर पुलिस ने आरोपी को नियमानुसार आदेश की तामील कराई। इसके बाद मुनादी कराकर उसे हस्व कायदा जनपद हरिद्वार की सीमाओं से बाहर कर दिया गया।

हरिद्वार पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए शातिर और आदतन अपराधियों के विरुद्ध इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

रानीपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: ऑपरेशन प्रहार के तहत दो वारंटी गिरफ्तार

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। जनपद में अपराधियों और लंबे समय से फरार चल रहे वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत हरिद्वार की कोतवाली रानीपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर दोनों आरोपियों को उनके निवास स्थान से दबोचा।

पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के नेतृत्व में जनपदभर में वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रानीपुर के नेतृत्व में पुलिस की अलग-अलग टीमें जनपद और गैर जनपद में लगातार दबिश दे रही हैं। इसी



अभियान के तहत 10 नवंबर 2026 को पुलिस टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए दो वारंटियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में राहुल पुत्र स्वर्गीय सुरेन्द्र निवासी ग्राम दरगाहपुर, थाना बारियाबाद, जिला गाजीपुर, उत्तर प्रदेश, हाल निवासी केशव कुंज बाग, कोतवाली रानीपुर, हरिद्वार शामिल है। राहुल के विरुद्ध वाद संख्या 7437/19 में धारा 356, 379, 411 एवं 34 भादवि के तहत मामला दर्ज है।

दूसरे वारंटी की पहचान सचिन पुत्र हरद्वारी लाल निवासी विष्णुलोक कॉलोनी, रानीपुर, हरिद्वार, उम्र 28 वर्ष के रूप में हुई है। सचिन के विरुद्ध वाद संख्या 3419/2025 में धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज है।

पुलिस ने दोनों वारंटियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में अपर उपनिरीक्षक मोहन सिंह, हेड कांस्टेबल विमल नेगी, हेड कांस्टेबल शिवराज शर्मा, कांस्टेबल विजयपाल और कांस्टेबल अजीतराज शामिल रहे।

एक नजर

रानीखेत में डंपिंग जोन के पास लगी आग, दो वाहन चपेट में आए



के.के.पी संवाददाता/रानीखेत। गनियाद्योली स्थित एसएसबी कैंप के पास डंपिंग जोन के पास सोमवार रात आग लगने से दो वाहन इसकी चपेट में आ गए। आग की सूचना मिलते ही फायर यूनिट रानीखेत मौके पर पहुंची और कोतवाली पुलिस के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पाया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, सोमवार को रात करीब 8:25 बजे फायर स्टेशन रानीखेत को गनियाद्योली स्थित एसएसबी कैंप के पास आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही फायर यूनिट तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। मौके पर पहुंचने पर डंपिंग जोन के पास आग लगी हुई मिली। आग की चपेट में आने से अल्टो कार संख्या यूके01टीए-2669 पूरी तरह जल गई, जबकि वाहन संख्या यूके01बी-4961 आंशिक रूप से जल गया। फायर यूनिट रानीखेत और कोतवाली रानीखेत पुलिस ने संयुक्त रूप से एक होज पाइप की सहायता से तत्काल आग बुझाने का अभियान शुरू किया। टीम की तत्परता से आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया और उसे आसपास के क्षेत्र में फैलने से रोका गया। घटना में किसी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग बुझाने की कार्रवाई में फायर स्टेशन रानीखेत के एफएसएसओ गणेश चंद्र, एलएफएम खीमानंद और उमेश गौड़, डीवीआर बलवंत सिंह और दयाधर ध्यानी तथा एफएम दीपक सिंह शामिल रहे।

कालाढूंगी की हिना बिष्ट का राष्ट्रीय स्कूल गेम्स के लिए चयन, 400 मीटर बाधा दौड़ में दिखाएंगी दमखम

के.के.पी संवाददाता/कालाढूंगी। हिना बिष्ट का राष्ट्रीय स्कूल गेम्स के लिए चयन, 400 मीटर बाधा दौड़ में दिखाएंगी दमखम भगवती शाह स्पोर्ट्स क्लब के कोच राजेश बिष्ट ने बताया कि मध्य प्रदेश के शिवपुरी में 19 से 23 नवंबर तक आयोजित होने वाली स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए हिना बिष्ट का चयन अंडर-17 बालिका वर्ग की 400 मीटर बाधा दौड़ (400 Meter Hurdles) में हुआ है। हिना बिष्ट अटल उत्कृष्ट विद्यालय, कालाढूंगी की छात्रा हैं। उन्होंने अपनी मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास के दम पर यह उपलब्धि हासिल की है। यह भगवती शाह स्पोर्ट्स क्लब एवं पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। विशेष बात यह है कि पहली बार क्लब की किसी खिलाड़ी का खो-खो के अलावा एथलेटिक्स में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। हिना के चयन से विद्यालय, क्षेत्र एवं खेल जगत में खुशी की लहर है। उनकी इस सफलता से अन्य खिलाड़ियों को भी खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। इस मौके पर ग्राम प्रधान रतनपुर आशा मेहरा लता बिष्ट ज्योति चुफाल कोच मनमोहन सिंह बसेडा राजेंद्र सिंह नेगी विद्यालय खेल प्रशिक्षक सत्यम शर्मा निलेश कुमटिया रजत कुमटिया आनंद राम जी ने जीत के शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया।



नाकाबंदी के दौरान बेकाबू कार का कहर! पुलिसकर्मी को 200 मीटर तक घसीटा, हालत गंभीर

नवी मुंबई। नवी मुंबई के कलंबोली इलाके में पुलिस नाकाबंदी के दौरान एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है। वाहन जांच के दौरान एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित कार ने पुलिसकर्मी को जोरदार टक्कर मार दी। इतना ही नहीं, टक्कर लगने के बाद पुलिस कांस्टेबल कार के बोनट पर जा गिरे, लेकिन चालक ने वाहन रोकने के बजाय उन्हें करीब 200 मीटर तक घसीट दिया। इस भयावह घटना में पुलिस कांस्टेबल दिलीप भोई गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।



मिली जानकारी के अनुसार, कलंबोली इलाके में पुलिस नियमित रूप से नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान पुलिसकर्मियों ने तेज रफ्तार से आ रही एक कार को रुकने का इशारा किया। लेकिन चालक ने पुलिस के संकेत को नजरअंदाज करते हुए कार की रफ्तार कम नहीं की। आरोप है कि चालक ने सीधे सामने खड़े पुलिस कांस्टेबल दिलीप भोई को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि भोई उछलकर कार के बोनट पर जा गिरे। इसके बावजूद चालक ने कार नहीं रोकी और उन्हें करीब 200 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। इस घटना से मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और लोगों में हड़कंप मच गया।

घटना को अंजाम देने के बाद कार सवार मौके से फरार हो गए। जांच के दौरान यह चौंकाने वाली जानकारी सामने आई कि कार पर लगी नंबर प्लेट भी फर्जी थी। बताया जा रहा है कि कार में दो लोग सवार थे। आरोपियों ने पुलिस की नाकाबंदी तोड़कर फरार होने में सफलता हासिल कर ली। उधर घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। फुटेज के आधार पर कार और उसमें सवार दोनों अज्ञात आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस फरार आरोपियों का पता लगाने के लिए विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

भारतीय वायुसेना का सारंग वडोदरा के आसमान में भरेगा उड़ान

वडोदरा। भारतीय वायुसेना की प्रतिष्ठित सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम गुजरात के वडोदरा में 12 से 15 नवंबर तक अपने शानदार हवाई करतबों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेगी। यह विशेष प्रदर्शन वायुसेना की 11वीं स्क्वाड्रन की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर में आयोजित किया जा रहा है, जो प्लैटिनम जुबली समारोह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। सारंग टीम का नाम मोर से प्रेरित है, जिसकी सुंदरता और आकर्षक रंगों को इसके रंग-बिरंगे हेलीकॉप्टर दर्शाते हैं। अपनी शुरुआत से ही, टीम ने देश और विदेश के कई प्रतिष्ठित हवाई प्रदर्शनों में भारतीय वायुसेना का गौरव बढ़ाया है। इनके करतब न केवल भारतीय पायलटों की असाधारण दक्षता को प्रदर्शित करते हैं, बल्कि देश में विकसित विमानन



तकनीक की बढ़ती क्षमताओं का भी प्रमाण हैं।

वडोदरा में होने वाले कार्यक्रम में सारंग टीम के पांच हेलीकॉप्टर एक साथ आसमान में उड़ान भरने वाले है। वे अपने असाधारण कौशल, सटीक नियंत्रण और बेहतरीन तालमेल का प्रदर्शन करने वाले है। सारंग को पांच हेलीकॉप्टरों के साथ प्रदर्शन करने वाली अपनी तरह की अनूठी सैन्य टीम होने का गौरव प्राप्त है। यह टीम स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर ध्रुव का उपयोग करती है। हवा में बेहद करीब रहकर 5 हेलीकॉप्टरों का एक साथ उड़ान भरना और अलग-अलग आकृतियां बनाना दर्शकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव होता है। इस तरह का तालमेल बनाए रखने के लिए पायलटों को असाधारण कौशल और अनुशासन की आवश्यकता होती है। यह प्रदर्शन खास तौर पर युवाओं और स्कूली विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक होगा, क्योंकि इससे उनमें विमानन, विज्ञान, तकनीक और सशस्त्र बलों में करियर बनाने की रुचि बढ़ेगी। यह केवल रोमांचक हवाई करतबों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि भारतीय वायुसेना की समृद्ध परंपरा, अनुशासन, उत्कृष्टता और आपसी जुड़ाव की भावना को भी दर्शाता है। वायुसेना के पूर्व सैनिकों और वर्तमान वायु योद्धाओं के लिए भी यह गर्व और सम्मान का अवसर है। वडोदरा में होने वाला यह आयोजन एक बार फिर भारतीय वायुसेना की पेशेवर क्षमता और स्वदेशी विमानन क्षेत्र की उपलब्धियों को प्रदर्शित करेगा, साथ ही युवाओं को नए सपने देखने के लिए प्रेरित करेगा।

बिन्दुखत्ता में प्रत्येक सरकारी गतिविधि की सूचना देकर वन अधिकार समिति को आमंत्रित किया जाए : निदेशक

जनजाति कल्याण निदेशालय ने नैनीताल जिला प्रशासन को भेजा पत्र, बाहरी व गैर-निर्वाचित लोगों के हस्तक्षेप पर जताई कड़ी आपत्ति

के.के.पी संवाददाता

लालकुआं। उत्तराखंड के जनजाति कल्याण निदेशालय ने बिन्दुखत्ता क्षेत्र में सरकारी कैंपों के संचालन और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर सख्त रुख अपनाया है। निदेशक एस एस टोलिया ने जिलाधिकारी, नैनीताल को पत्र लिखकर शिकायत की है कि क्षेत्र में आयोजित होने वाले सरकारी कार्यक्रमों व श्रमिक कैंपों में नियमानुसार निर्वाचित 'वन अधिकार समिति' के सदस्यों को दरकिनार किया जा रहा है। आरोप है कि समिति के बजाय पार्टी विशेष के लोगों और बाहरी/गैर-निर्वाचित व्यक्तियों द्वारा कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है, जिससे वास्तविक मजदूरों और जरूरतमंदों को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ग्राम स्तरीय वन अधिकार समिति, बिन्दुखत्ता के अध्यक्ष द्वारा इस संबंध में बीते 12 अक्टूबर 2026 को एक शिकायत पत्र प्रेषित किया गया था। इसी पत्र का संदर्भ लेते हुए निदेशक ने जिला प्रशासन को हस्तक्षेप करने के निर्देश दिए हैं। श्रमिक कैंपों में सभी पात्र व्यक्तियों के कार्ड बनवाकर निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ सामग्री वितरित की जाए। स्थानीय क्षेत्र की बड़ी जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए बिन्दुखत्ता के सभी 32 गाँवों में कैंप लगाए जाएँ। सरकारी योजनाओं के वितरण और कार्यक्रमों में पार्टी विशेष या गैर-निर्वाचित बाहरी लोगों के अनावश्यक हस्तक्षेप पर तुरंत रोक लगाई जाए।

नौ शादियां चरित्र का आकलन नहीं: कर्नाटक हाईकोर्ट

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी महिला की नौ शादियां उसके चरित्र का आकलन करने या उसकी शिकायत को खारिज करने का आधार नहीं हो सकती। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने स्पष्ट किया कि शादियों की संख्या अपने आप में यह साबित नहीं करती कि कोई व्यक्ति आपराधिक प्रवृत्ति का है, न ही यह पति के खिलाफ लगाए गए आरोपों को खारिज करने का कारण बन सकती है।

न्यायालय ने कहा, किसी व्यक्ति के विवाहों की संख्या, अपने आप में, चरित्र पर अभियोग का कारण नहीं बन सकती और न ही यह आपराधिक कदाचार की कोई पूर्व धारणा पेश



करती है। यह मामला 13 जनवरी, 2022 को हुए विवाह के बाद विवाद से जुड़ा है। संबंध बिगड़ने पर पत्नी ने पति और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू कर दी थी।

महिला के पति राजा ने कानूनी कार्रवाई को यह कहकर चुनौती दी थी कि उसकी पत्नी ने कथित तौर पर धन वसूलने की नीयत से नौ शादियां की थीं।

लाइबेरियाई तेल टैंकर पर मिसाइल हमला, भारतीय चालक दल सुरक्षित

लाइबेरिया। मध्य पूर्व और फारस की खाड़ी के रणनीतिक समुद्री मार्गों पर फिर सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हुई हैं। हाल ही में लाइबेरिया के ध्वज वाले विशाल कच्चे तेल के पोत (वीएलसीसी) एमटी फुजैराह एनर्जी पर मिसाइल (प्रक्षेपास्त्र) से हमला हुआ है। केंद्रीय पोत परिवहन मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने घटना की जानकारी देकर बताया कि हमले के समय जहाज पर कुल छह भारतीय नागरिक चालक दल के सदस्य के रूप में सवार थे। केंद्रीय पोत परिवहन मंत्री ने बताया कि यह हमला 10 नवंबर को तब हुआ, जब एमटी फुजैराह एनर्जी अल रुवैस से दुबई की ओर



जा रहा था। इस खतरनाक हमले में चालक दल के चार सदस्य घायल हुए, जिसमें एक भारतीय नागरिक भी शामिल है। भारतीय नाविक को मामूली चोटें आई हैं और आगे की चिकित्सकीय जांच के लिए सुरक्षित तट पर पहुंचा गया है। केंद्रीय मंत्री ने आश्वस्त किया कि पांच अन्य भारतीयों सहित चालक दल के शेष सभी 18 सदस्य सुरक्षित हैं और उनका पता लगा लिया गया है। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने बताया कि मंत्रालय स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और अपने नाविकों की सुरक्षा, चिकित्सा देखभाल और कुशलक्षेम सुनिश्चित करने के लिए जहाज का प्रबंधन करने वाली कंपनी के साथ निरंतर संपर्क में है। यह घटना फारस की खाड़ी और आसपास के समुद्री मार्गों, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की सबसे महत्वपूर्ण धमनियों में से हैं, में सुरक्षा चुनौतियों को उजागर करती है। हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में जहाजों पर हुए इसतरह के हमलों ने कमर्शियल शिपिंग और नाविकों के जीवन पर गंभीर संकट खड़ा किया है। एमटी फुजैराह एनर्जी पर हुआ यह हमला एक बार फिर रेखांकित करता है कि वैश्विक व्यापारिक पोतों और विशेषकर उन पर काम करने वाले नाविकों की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़े सुरक्षा उपायों की कितनी जरुरत है।

राम मंदिर आंदोलन और कोठारी बंधुओं का बलिदान देश कभी नहीं भूलेगा: आनंद दुबे

मुंबई। उत्तर प्रदेश की राजनीति में राम मंदिर आंदोलन, कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी की किताब और एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी के बयानों को लेकर सियासी घमासान तेज हुआ है। शिवसेना शिंदे गुट के प्रवक्ता आनंद दुबे ने इन मुद्दों पर समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और ओवैसी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने विशेष रूप से राम मंदिर आंदोलन के दौरान हुए बलिदानों को याद कर कई सवालों के जवाब मांगे। समाजवादी पार्टी सांसद सनातन पांडे के बयान पर प्रतिक्रिया देकर, जिसमें कारसेवकों पर गोलीबारी



को उचित ठहराया गया था, शिवसेना शिंदे गुट के प्रवक्ता आनंद दुबे ने मुलायम सिंह यादव के उस पुराने बयान की याद दिलाई। उन्होंने सवाल किया कि क्या अपने ही देश के निर्दोष लोगों पर गोली चलाना कभी आवश्यक हो सकता है? प्रवक्ता दुबे ने कहा कि राम मंदिर आंदोलन से जुड़े कारसेवक अयोध्या में भगवान श्रीराम के जन्मस्थान पर मंदिर निर्माण की ही मांग कर रहे थे। उन्होंने कोठारी बंधुओं के सर्वोच्च बलिदान का जिक्र कर कहा कि देश उनके त्याग को कभी नहीं भुला पाएगा। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की नई किताब पर टिप्पणी कर आनंद दुबे ने हैरानी जाहिर की कि यह पुस्तक परिवार को समर्पित है, जिसमें राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा, रेहान वाड्रा और मिराया वाड्रा का उल्लेख है, लेकिन देश या कांग्रेस पार्टी का नहीं। उन्होंने कहा कि यदि यह किताब राष्ट्र या पार्टी को समर्पित होती, तब अधिक लोग पढ़ते और चर्चा करते। प्रवक्ता दुबे ने सवाल उठाया कि किताब में बाबरी मस्जिद विध्वंस पर सोनिया गांधी की भावनात्मक प्रतिक्रिया का जिक्र है, लेकिन 1984 के सिख विरोधी दंगों पर उनकी प्रतिक्रिया का उल्लेख क्यों नहीं किया गया। ओवैसी के मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षाओं पर दुबे ने तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री बनने के लिए चुनाव में बहुमत हासिल करना होता है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि उत्तर प्रदेश में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनेगी। दुबे ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य की कानून-व्यवस्था की भी सराहना की, यह कहकर कि अब अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाती है और पहले जैसी अराजकता नहीं है।

बुल्गारिया में जीरो विजिबिलिटी के चलते 50 से ज्यादा गाड़ियां टकराईं, 12 की मौत

बुल्गारिया। बुल्गारिया के त्राकिया हाईवे पर घने कोहरे के कारण एक बहुत बड़ा और भयानक सड़क हादसा हो गया। सुबह के वक्त जीरो विजिबिलिटी के चलते 50 से ज्यादा गाड़ियां आपस में बुरी तरह टकरा गईं, जिससे कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस भीषण हादसे के बाद सामने आए ड्रोन फुटेज देखकर बचाव दल के भी होश उड़ गए, जहां हाईवे की सड़क किसी कब्रिस्तान जैसी लग रही थी और गाड़ियां बुरी तरह पिचक गई थीं। यह भयानक हादसा बुल्गारिया की राजधानी सोफिया को पूर्वी शहर बर्गास से जोड़ने वाले त्राकिया हाईवे पर



हुआ है। हादसे की सूचना मिलते ही जब प्रशासनिक अधिकारी और आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं, तो कोहरे की वजह से स्थिति का सही अंदाजा लगाना मुश्किल हो रहा था।

इसके बाद जब आसमान में ड्रोन उड़ाकर इलाके की निगरानी की गई, तो ड्रोन फुटेज ने तबाही का भयावह मंजर दिखाया। फुटेज में हाईवे का एक बड़ा हिस्सा किसी कबाड़खाने या कब्रिस्तान जैसा नजर आ रहा था, जहां दूर-दूर तक केवल मुड़ी हुई कारें, पलटे हुए ट्रक और बिखरा हुआ मलबा ही दिखाई दे रहा था। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कई छोटी कारें बड़े ट्रकों के नीचे आकर पूरी तरह पिचक गई थीं।

फ्रांस के सुपरमार्केट के फ्रिज और ब्लड बैंकों के कोल्ड स्टोरेज सिस्टम हैक

ईरान की सैन्य साइबर यूनिट पर लगे गंभीर आरोप, यूरोप में मचा हड़कंप

पेरिस। फ्रांस ने ईरान की सैन्य साइबर यूनिट पर गंभीर आरोप लगाया है। दावा है कि इस यूनिट ने फ्रांस के सुपरमार्केट के फ्रिज और ब्लड बैंकों के कोल्ड स्टोरेज सिस्टम को निशाना बनाया, जिससे पूरे यूरोप में हड़कंप मच गया है। कुछ समय पहले फ्रांस में करीब सात सौ सुपरमार्केट और मॉल की दुकानों में रखा टनों खाना खराब हो गया था। रात के समय किसी ने उनके फ्रिज और फ्रीज़रों के तापमान को बाहरी नियंत्रण से 50 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा दिया था, जिससे सब्जियां, मांस, दूध और आइसक्रीम सब खराब हो गए और कई फ्रिजों में आग भी लग गई। हमलावरों ने इंटरनेट से जुड़े कंट्रोल सिस्टम को हैक किया था, जो ऐप्स के जरिए तापमान नियंत्रित करते हैं। इस घटना से करोड़ों का नुकसान हुआ था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस घटना के कुछ दिनों बाद, इसी तरह का एक और हमला हुआ, जिसमें ब्लड बैंकों के कोल्ड स्टोरेज का तापमान हैकरों ने बढ़ा दिया। शुरुआत में किसी ने इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली, लेकिन अब फ्रांस ने शहीद कावेह पर आरोप लगाया है। शहीद कावेह ईरान की आईआरजीसी सेना की साइबर हमले करने वाली एक यूनिट है। इसका नाम ईरान-इराक युद्ध में शहीद हुए सैन्य कमांडर महमूद कावेह के नाम पर रखा गया है। ईरान ने इन आरोपों को बेबुनियाद और गलत बताया है, लेकिन फ्रांस की जांच में हमले के सिस्टम में फारसी भाषा के इस्तेमाल के निशान मिलने का दावा किया जा रहा है।

जानकारों के मुताबिक जिन कंप्यूटरों से हमला होने का शक है, उनके आईपी एड्रेस ईरान के निकले हैं, जो हमले के स्रोत की ओर इशारा करते हैं। साथ ही कंप्यूटर प्रोग्राम में मिली फारसी भाषा की छाप पहले भी शहीद कावेह द्वारा किए गए हमलों में पाई गई थी। फ्रांस का मानना है कि यह ईरान की रणनीति का हिस्सा है, जिसमें वह अपने विरोधियों को सस्ते हमलों से परेशान कर रहा है।

सीओपी 31 एजेंडा से हिमालय बाहर: नेपाल ने व्यक्त की निराशा

अंताल्या। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी 31) में नेपाल, भूटान और किर्गिस्तान द्वारा प्रस्तावित हिमालय संबंधी मुद्दा इसकी औपचारिक कार्यसूची में जगह नहीं बना सका। इस घटनाक्रम से नेपाल ने गहरी निराशा व्यक्त की है, जिसकी मुख्य वजह कई प्रमुख वैश्विक समूहों और विकसित देशों का प्रस्ताव के समर्थन में आगे नहीं आना रही।

नेपाली विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बताया कि प्रमुख देशों का समर्थन न मिलने के कारण महत्वपूर्ण मुद्दे को औपचारिक मान्यता दिलाना बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हुआ। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह एक व्यापक वार्ता का हिस्सा था, और बड़े समूहों के समर्थन के अभाव में कार्यसूची में शामिल कराना कठिन हो गया। खनाल ने कहा कि कुछ देशों ने प्रस्ताव का खुलकर समर्थन किया, जबकि अन्य इस प्रस्ताव को लेकर हिचकिचा रहे थे।

मामले से जुड़े सूत्र ने बताया कि जब तीनों देशों ने औपचारिक रूप से यह प्रस्ताव रखा, तब विकसित देशों, विशेषकर यूरोपीय संघ ने इसमें कोई खास रुचि नहीं दिखाई। सूत्र के अनुसार, इस प्रस्ताव को लगभग नजरअंदाज कर दिया गया। हालांकि, यह मुद्दा पूरी तरह से चर्चा से बाहर नहीं हुआ है और जल्द ही इस पर उच्चस्तरीय वार्ता होने की उम्मीद है। विकासशील देशों ने प्रस्ताव पर न आपत्ति जाहिर की और न ही आगे बढ़ने से रोका। विदेश मंत्री खनाल ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि पर्वतीय क्षेत्रों से जुड़े मुद्दे अब वैश्विक चर्चा का हिस्सा बन रहे हैं, जिससे भविष्य में सकारात्मक परिणाम की उम्मीद है।

स्वामी/ प्रकाशक / मुद्रक
प्रमोद कुमार ने जय माँ गंगा प्रिंटर्स, हरिद्वार से मुद्रित कराकर कार्तिकेय कॉलोनी, फेस-3, दर्पण स्कूल वाली गली, निकट हनुमान मंदिर, कुसुमखेड़ा, हल्द्वानी जनपद-नैनीताल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।
सम्पादक
प्रमोद कुमार
मो.7830201066

सह-सम्पादक
दया जोशी
मो.9412135616